ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 304 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 मई 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
42.0 अधिकतम
24.0 न्यूनतम

पुस्तक का विमोचन : समारोह में उपस्थित बाएं से एनके सिंह, नारायण व्यास, विजय दत्त श्रीधर, मनीष गुप्ता, राजेश सिरोठिया, नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, मालती राय, भगवानदास सबनानी और पीसी शर्मा।

दसवीं सालगिरह का गरिमामय समारोह

मिसाल बन गया दोपहर मेट्रो का एक दशक का सफर...

कथनी और करनी समान होने की वजह से पत्रकारिता में बनी साख

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक दशक का शानदार सफर पूरा करने वाला अखबार 'दोपहर मेट्रो' इस बात का उदाहरण है कि पक्के इरादे और समर्पण के साथ किया गया जरूर सफल होता है। अखबार के प्रधान सम्पादक राजेश सिरोठिया इसके लिए बधाई के पात्र हैं। इस अखबार की यात्रा श्रमजीवी पत्रकारों के लिए किसी मिसाल से कम नहीं है। श्री तोमर दोपहर मेट्रो की दसवीं सालगिरह के समारोह के अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस अवसर पर कहा कि जिस दौर में अखबार का संचालन अत्यंत कठिन कार्य हो उसमें एक दशक की यह यात्रा काबिले तारीफ है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली हस्तियों का सम्मान भी किया गया।

श्री तोमर ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार होकर अखबार प्रकाशित करना एक संघर्ष का काम है। उन्होंने अखबार के प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया को लेकर कहा कि मैंने बीते तीन दशकों में कई पदों पर काम किया, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी पत्रकारिता का उपयोग अपने निजी हितों के लिए नहीं किया। दशकों पहले भी उनकी गिनती युवा क्रांतिकारी पत्रकारों में होती थी। उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। इसी वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में अपनी साख बनाई है। श्री तोमर ने कहा कि मैं राजनीति को सबसे कठिन काम मानता हूं, इसके बाद अखबार के संचालन का नंबर आता है। ऐसे में कठनाइयों के बावजूद सफलता के दस साल पूरे करना जीवटता से ही संभव है।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राजेश जी ने कभी अभाव की चिंता नहीं की, प्रभाव की चिंता की। उन्होंने अपनी 40 साल की पत्रकारिता में कभी दाग नहीं लगने दिया। आज अख़बार निकालना आसान काम नहीं। बिना आलोचना के पत्रकारिता सम्भव नहीं। सरकार की तारीफ ना करो तो अखबार नहीं निकल सकता। लेकिन राजेश जी ने अपनी कलम के जरिए यदि किसी की तारीफ भी की तो मखमल में लपेटकर नसीहत देने से भी परहेज नहीं किया। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि दोपहर का अखबार आमतौर पर लोकल खबरों पर केंद्रित होता है, लेकिन राजेश सिरोठिया ऐसे पत्रकार हैं जो कि लोकल के मुद्दों, गली-मोहल्लों से लेकर ग्लोबल की खबरों के साथ उसके असर का भी विश्लेषण भी करते हैं, जब भी मुझे विश्व के जियो पॉलीटिकल मुद्दों को समझना पड़ता है तो मैं दोपहर मेट्रो को जरूर पढ़ता हूं। पत्रकारिता समाज और सरकार के बीच अपनी कलम के माध्यम से भ्रमित भी कर सकती है और सत्य भी ला सकती है। वर्तमान समय में सत्य एक चुनौती है। पत्रकारिता करना काजल की कोठरी से बेदाग निकलना है जो आसान काम नहीं लेकिन यह राजेश जी ने करके दिखाया है। कैलाश जी ने अखबार के शुरूआती दिनों की भी बात की। उन्होंने कहा कि आरम्भ में कई लोगों को इसके चल पाने में संदेह था। लेकिन साल दर साल सभी आशंकाओं को पीछे छोड़ते हुए दोपहर मेट्रो का सफर जारी रहा। दोपहर मेट्रो के कंटेंट की बात करते हुए श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इसमें सिर्फ न्यूज ही नहीं व्यूज भी है और इसी से इसकी पहचान है। अखबार छोटा अवश्य हो पर प्रभावी है जो विश्वास ही नहीं ज्ञान व बुद्धि का प्रकाश भी दे रहा है। इस मौके पर दोपहर मेट्रो के सफरनामे पर केंद्रित पुस्तक 'एक दशक की पत्रकारिता का दस्तावेज' का विमोचन भी हुआ। इसमें इंद्रा पब्लिकेशन के संचालक मनीष गुप्ता भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सामायिक प्रकाशन के महेश भारद्वाज ने राजेश सिरोठिया की पूर्व प्रकाशित पुस्तक 'खबर नवीसी': आप बीती, आंखों देखी तथा इंदौर की रानी अहिल्याबाई पर केंद्रित नई पुस्तक भी भेंट की। आभार प्रदर्शन स्थानीय संपादक अनिल शर्मा ने किया तो कार्यक्रम के सूत्रधार का दायित्व आशीष दवे ने निभाया।

समारोह में सम्मानित हस्तियों ने यह कहा...

पदमश्री विजयदत्त श्रीधर

आज के दौर में देखें तो पत्रकारिता कहां नजर आती है ? इसमें लोगों की आवाज कहां दिखती है? पत्रकारिता लूलों की लाठी है और गूंगों की वाणी होती है। इस लिहाज से राजेश बधाई के पात्र हैं। पत्रकारों की दशा पर एक शेर याद आता है ' सारे जहां का दर्द हमारे जिगर में है, अपने जिगर के दर्द का पता नहीं' आज जरूरत आईना नहीं अपनी शक्ल साफ करने की है।

वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह

राजेश सिरोठिया जैसे श्रमजीवी पत्रकार ने जब दोपहर मेट्रो शुरू किया तो मेरे मन में कई आशंकाएं थीं। चिंताएं थीं कि इसे वह कैसे चला पाएंगे, लेकिन दो-तीन साल बाद मुझे समझ में आ गया कि राजेश इस अखबार को चला ले जाएंगे। वे श्रमजीवी पत्रकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। अखबार समझौता न करे तो पाठकों के दिल में जगह बना ही लेता है।

पदमश्री नारायण व्यास

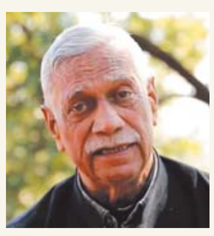

पुरातत्व बहुत कठिन विषय है, लेकिन समझो तो आनंद आता है कठिनाइयों के बाद जब सफलता मिलती है तो उपलब्धि से गौरव महसूस होता है। डॉ. विष्णुश्रीधर वाकणकर के साथ काम करते हुए अपने सफर को आगे बढ़ाया। दोपहर मेट्रो ने सम्मानित करके मुझे गौरवान्वित किया है।

रिटायर्ड कर्नल संजय त्रिपाठी

कारगिल युद्ध के दौरान इस तरह जख्मी हुआ कि उसके घाव आज भी भरे नहीं हैं। बावजूद इसके देश के लिए रिटायर्डमेंट के बाद भी काम कर रहा हूं। ये सम्मान मेरा नहीं बल्कि नींव के पत्थर बने उन सैनिकों का भी है जो देश के लिए किला लड़ा रहे हैं।

रविप्रकाश लंगर (आलोक मेहता के बाल सखा)

आलोक मेहता जी ने अपनी अस्वस्थता के चलते मुझे ये सम्मान ग्रहण करने के लिए अधिकृत किया है। इसके लिए उनका धन्यवाद। आलोकजी के साथ बचपन से जुड़ा रहा हूं। वर्ष 1969-70 के दौरान आलोक जी के साथ मिलकर उज्जैन में नई दुनिया के लिए काम किया। राजेश जी की पत्रकारिता को आउटलुक पत्रिका में आलोकजी की अगुवाई में काम करते हुए देखा, समझा और परखा है। दोपहर मेट्रो की उनकी यात्रा को भी नजदीक से भी देखा है। यही कामना है कि दोपहर मेट्रो का सफर इसी तरह तेजी से आगे बढ़ता रहे।

यादगार बन गई दसवीं सालगिरह के समारोह की शाम... पेज 8

दस साल, भरोसे के साथ ... आभार सभी शुभचिंतकों का ...

नौ मई की तारीख राष्ट्रगान के रचयिता रवींद्रनाथ टैगौर की 165 वीं सालगिरह के लिहाज से ही अहम नहीं थी , यह पत्रकारिता के क्षेत्र में एक छोटे से प्रयास की दसवीं सालगिरह का भी अवसर था। बात सिर्फ 9 मई की ही क्यों? हर महीने और हर दिन की तरह मई का महीना भी कुछ खास लेकर आता है। आता भी रहेगा। यह साल भी कई नजरिए से बेहद अहम है। भारत के राष्ट्रगीत वंदेभारत को उसके डेढ़ सौ वें साल में वांछित सम्मान मिलना। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रहित को सामने रखकर चलाए गए अभियान के सौंवे साल के सफर का साल। संघ की विचारधारा के बिल्कुल विपरीत ध्रुव पर खड़े वामपंथी विचारों की भी सौ साल की यात्रा। एक आयातित विचारधारा के भारतीयकरण की कोशिशें कितनी कामयाब हुईं, इसकी मींमांसा होगी ही। केरलम में उसके वैचारिक अधिष्ठान पर खड़ा आखिरी किला क्यों और कैसे ढह गया? भारत के सबसे पहले हिंदी अखबार उदंत मार्तंड के दो सौंवे साल पर यह चिंतन भी होना चाहिए कि भारतीय पत्रकारिता किस दिशा में जा रही है।

राजेश सिरोठिया

दोपहर मेट्रो की टीम ने अपने दस साल के सफर की सालगिरह पर विशेष अंक के जरिए इन तमाम पहलुओं पर नामचीन पत्रकारों के लेखों के जरिए इन सभी मुद्दों की मीमांसा की कोशिश की। वंदेमातरम पर पूर्व आईएएस अफसर और चिंतक-विचारक मनोज श्रीवास्तव ने वंदेमातरम के विभिन्न पहलुओं को छुआ तो, भारतीय पत्रकारिता के अतीत को संवारने में जुटे पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने उदंत मार्तंड पर अपनी कलम चलाई। प्रवीण गुगनानी ने आरएसएस के सफरनामे को अपने नजरिए से पेश किया तो वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि सुधीर सक्सेना ने रवींद्र नाथ टैगोर पर कविता के साथ कम्युनिस्ट पार्टी के सौ साल पर लिखते हुए माना है कि भारतीय आबोहवा इस विचारधारा को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकी। साहित्यकार घनश्याम मैथिल ने मशहूर कवि दुष्यंत कुमार को याद करने के बहाने हिंदी साहित्य की मीमांसा की तो मेरे गुरू और वरिष्ठ पत्रकार आलोक मेहता ने अस्वस्थता के बावजूद दोपहर मेट्रो की दस साला यात्रा पर लेख भेजा। भाई आशीष अग्रवाल ने भाजपा के सफरनामे पर अपने विचार रखे तो कांग्रेस के मीडिया प्रभाग के मुखिया पूर्व मंत्री और विचारक मुकेश नायक ने भी अपने तरीके से दोपहर मेट्रो के आयामों को छूने की कोशिश की। हमारे सहयोगी सुनील भंडारी ने अमेरिका ईरान की जंग के आर्थिक असर पर प्रकाश डाला। हमारे स्थानीय सम्पादक अनिल शर्मा ने इस मौके पर विमोचित पुस्तक (एक दशक का सफरनामा) की प्रासंगिकता पर अपनी कलम चलाई। पत्रकार एनके सिंह जिनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला, वह भी कार्यक्रम में पहुंचे और उन्होंने दोपहर मेट्रो के सफरनामे पर अपनी बात पूरी शिद्दत से रखी। इस कार्यक्रम में शामिल हुए मप्र विधानसभा के स्पीकर नरेंद्र तोमर और प्रदेश के वरिष्ठतम मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पत्रकार और पत्रकारिता की चुनौतियों को खुलकर सामने रखा।

भोपाल की मौजूदा और पूर्व महापौर व्दय श्रीमती मालती राय तथा विभा पटेल तथा भोपाल के संघर्षशील विधायक भगवानदास सबनानी ने उपस्थित होकर हमारा मान बढ़ाया तो रामेश्वर शर्मा जैसे जुझारू विधायक सहित कई ऐसी नामचीन हस्तियां भी थीं जो कार्यक्रम के दौरान साथ नहीं रहते हुए भी सहयोगी के बतौर हमारे साथ थे। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी अपरिहार्य कारणों से भले नहीं आ सके लेकिन भोपाल के लोकप्रिय कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री पीसी शर्मा को अपने प्रतिनिधि के रूप में भेजा। इसलिए दोपहर मेट्रो परिवार की ओर से इन सभी मंचासीन शख्सियतों के साथ ही हमारे निमंत्रण पर पधारे देश-प्रदेश के नामचीन मेहमानों का दिल से शुक्रिया। बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी थे जो यूट्यूब और फेसबुक चैनल के मार्फत लाइव स्क्रीनिंग के जरिए समारोह के साक्षी बने। उनका भी आभार। मेरे कुछ राजनैतिक मित्र , अफसर आमंत्रण के बावजूद अपनी राजनीतिक व्यस्ताओं या शासकीय प्राथमिकताओं के चलते नहीं आ सके, उनका भी तहेदिल से शुक्रिया। हमने उनको आमंत्रित किया यह हमारा भाव था, उसे स्वीकारना या नकारना उनका विवेक। बावजूद, यही उम्मीद यही -'साथ भले दिखें या न दिखें पर संबंधों का सिलसिला अनवरत रहे।'

आधुनिक पत्रकारिता के दौर में खासतौर से जब डिजिटल मीडिया का जमाना हो, ऐसे में प्रिंट मीडिया के लिए भला क्या गुंजाइश रह जाती है? कहने को तो पूंजीवाद की इस दुनिया में, कारपोरेट वर्ल्ड में कोई भी बड़ा आदमी चाहे तो अखबार या खबरिया चैनल शुरू कर सकता है। उसके लिए चमकदार चेहरे भी खनकदार दामों के दम पर मिल भी जाएंगे। लेकिन भरोसा.. और साख अपने पाठकों या दर्शकों के गले उतरना अनिवार्य शर्त है। हमने और हमारी टीम के नए और पुराने साथियों ने साख को आगे रखकर पत्रकारिता की कोशिश की। पाठकों के भरोसे की कसौटी पर कितना खरा उतरे, या उतरने कोशिश कर रहे हैं , इसका आकलन आपको करना है। अपने शुभचिंतकों और और अपने आलोचकों के सकारात्मकता सुझावों का स्वागत पहले भी रहा है, आगे भी रहेगा। यह अवसर सिर्फ आभार का नहीं साथ जुड़े रहने का है। साथ को आगे बढ़ाते रहने का है।

एक्टर विजय तमिलनाडु के नौवें मुख्यमंत्री बने

थलापथि का 'विजयी' उत्सव

चेन्नई, एजेंसी

तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) चीफ और एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। शपथ लेते समय विजय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे, इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया और कहा कि वही पढ़ें जो लिखकर दिया है। 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना का नाम शामिल है। ये सभी विजय की पार्टी टीवीके के ही विधायक हैं। अभी सहयोगी दलों के किसी विधायक को विजय के पहले मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है।

200 यूनिट मुफ्त बिजली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में रविवार को शपथ लेने के बाद विजय ने अपने पहले आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में 200 यूनिट मुफ्त बिजली, नशीली दवाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे अहम फैसले शामिल हैं। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले आधिकारिक आदेश में (टीवीके) के प्रमुख विजय ने राज्य में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की।

हादसे में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष समेत दो की मौत

शहडोल, एजेंसी

शहडोल में वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में भाजपा युवा मोर्चा के करकी मंडल अध्यक्ष राहुल द्विवेदी और उनके साथी अतुल तिवारी की मौत हो गई। दोनों युवक शनिवार रात में एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार, टिहकी गांव के रहने वाले राहुल और अतुल शनिवार रात झिरिया गांव में एक शादी में शामिल होने गए थे। देर रात जब वे अपनी बाइक से घर वापस आ रहे थे, तभी शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास किसी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया। सुबह जब राहगीरों ने सड़क किनारे टूटी हुई बाइक और दो युवकों के शव देखे, तो पुलिस को खबर की, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

अमेरिका को 14-पॉइंट के प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार

यूएस ठिकाने और जहाज निशाने पर: ईरान

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। आईआरजीसी के नौसेना कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर फिर हमला हुआ, तो अमेरिकी ठिकानों और सैन्य जहाजों पर भारी हमला किया जाएगा। इसके बाद आईआरजीसीकी एयरोस्पेस फोर्स ने अलग पोस्ट में दावा किया कि हमारी मिसाइलें और ड्रोन पहले ही अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर लॉक हो चुके हैं और अब सिर्फ हमला करने के आदेश का इंतजार है। वहीं, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट तैयार किया है, जिस पर ईरान के जवाब का इंतजार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले पत्रकारों से बाद करते हुए कहा था कि शनिवार सुबह तक जवाब मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ईरान का जवाब नहीं आया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव अभी समीक्षा के दौर में है और सही समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। हम अमेरिका की समय सीमा नहीं मानते। ईरान अपना काम अपने तरीके से करेगा।

सुहानी शाम...

भोपाल। तेज गर्मी के बाद शनिवार सुबह से रात तक मौसम ने तीन रंग दिखाए। दोपहर को शहर खूब तपा। इसके बाद शाम को बादल छाए, जिसने पारे की चाल को थाम दिया। रात 8 बजे शहर के ज्यादातर हिस्सों में बौछारें पड़ी। कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बौछारों की रफ्तार तेज हो गई। जिससे मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद हुई ठंडक से सिर्फ तीन घंटे में तापमान करीब 7 डिग्री गिर गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यदि बादल नहीं छाते तो दिन का तापमान 43 डिग्री तक पहुंच जाता।

भोपाल मेट्रो : कल जल सप्लाई रहेगी बंद, 12 मई को कम प्रेशर से होगी आपूर्ति

ऑरेंज लाइन रूट के लिए पेयजल पाइप लाइन होगी शिफ्ट, पानी की होगी परेशानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा बैरसिया रोड पर मेट्रो की ऑरेंज लाइन का काम तेजी से किया जा रहा है। इसी के तहत 11 मई को कोलार जलप्रदाय परियोजना से जुड़ी 400 एमएम व्यास की डीआइ फीडरमैन पाइप लाइन की शिफ्टिंग की जाएगी।

इस काम के चलते शहर के कई घनी आबादी वाले इलाकों में सोमवार को जल आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी, जबकि 12 मई को कम दबाव के साथ पानी सप्लाई किया जाएगा। इससे करीब एक लाख लोगों को पानी संकट का सामना करना पड़ेगा।

गर्मी में लोगों की चिंता

भीषण गर्मी के बीच दो दिन तक जलापूर्ति प्रभावित होने की खबर से रहवासियों की चिंता बढ़ गई है। कई इलाकों में पहले से ही कम दबाव और अनियमित पानी सप्लाई की समस्या बनी हुई है। ऐसे में लोगों को अतिरिक्त पानी स्टोर करने की सलाह दी जा रही है।

डीआइजी बंगले से आरिफ नगर तक होगा काम

जानकारी के अनुसार बैरसिया रोड पर डीआइजी बंगले से आरिफ नगर के बीच पाइप लाइन शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा। इसके कारण पुराने शहर और आसपास के कई इलाकों में जल आपूर्ति प्रभावित होगी।

इन क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

जेपी नगर, पिंजोमल टैंक, काजी कैम्प, टीला जमालपुरा, आरिफ नगर, कांग्रेस नगर, ग्रीन पार्क, चौकसे नगर, छह गलियां, छोटी मस्जिद के पास की गलियां, नारियलखेड़ा, निशातपुरा, न्यू आरिफ नगर, रेशम केंद्र, छोला विश्रामघाट और रम्भा नगर सहित कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई बंद रहेगी।

एनसीआरबी 2024 की रिपोर्ट में खुलासा : मप्र में ट्रेन का असुरक्षित सफर... 3 साल में 70 फीसदी अपराध बढ़

यदि आप मप्र से गुजरने वाली ट्रेनों में सफर कर रहे हैं, तो अपने सामान और सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2024 की रिपोर्ट ने मप्र में रेलवे के सफर को लेकर चिंताजनक आंकड़े पेश किए हैं। इसके मुताबिक 2022 से 2024 के बीच मध्यप्रदेश में जीआरपी द्वारा दर्ज किए गए अपराधों पर गौर करें तो तीन साल में इन अपराधों में करीब 70 फीसदी का उछाल आया है। इतना ही नहीं, देशभर के जीआरपी थानों में दर्ज होने वाले अपराधों में मप्र अब देशभर में दूसरे पायदान पर है। वर्ष 2024 में पूरे भारत में जीआरपी ने कुल 83,699 मामले दर्ज किए थे। इनमें मप्र में 12931 केस दर्ज किए गए हैं, जो महाराष्ट्र में दर्ज 15699 अपराधों से 2768 कम है। जीआरपी में अकेले चोरी के 11,983 मामले दर्ज किए गए। यानी मप्र की ट्रेनों और स्टेशनों पर हर दिन औसतन 32 से ज्यादा यात्रियों का सामान चोरी हो रहा है। स्नैचिंग के 215 और लूट के 45 मामले दर्ज हुए हैं, जो दिखाते हैं कि अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि मप्र जीआरपी की अपराध दर 14.7 दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि देशभर के कुल रेलवे अपराधों 83,699 का करीब 15.4 फीसदी हिस्सा केवल मप्र के जीआरपी थानों में दर्ज हुआ है। इसके अलावा, मप्र की जीआरपी में दर्ज होने वाले 12,931 मामलों में से करीब 92 फीसदी से ज्यादा मामले केवल चोरी के हैं। जानकार मानते हैं कि ऐसा तभी संभव है, जब यहां से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरों का एक बड़ा और सक्रिय नेटवर्क काम कर रहा हो।

मप्र सबसे बड़ा रेल ट्रांजिट कॉरिडोर : उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम रेल नेटवर्क का बड़ा हिस्सा मप्र से गुजरता है । राज्य से रोजाना करीब 650-750 यात्री ट्रेनें ऑपरेट/पास होती हैं। मालगाड़ियों का मूवमेंट 900 से ज्यादा रोजाना माना जाता है। वेस्ट सेंट्रल, वेस्टर्न और सेंट्रल रेलवे के प्रमुख रूट मप्र में हैं। धार्मिक और पश्चिमी रूट का प्रमुख स्टेशन है। पिछले कुछ साल में लोड बढ़ा। दिल्ली रूट की हाई ट्रैफिक लाइन पर स्थित है। इस वजह से ऑपरेशन अधिक।

एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद मकान मालिक का सुसाइड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के कोहेफिजा इलाके में एमबीबीएस छात्रा की आत्महत्या के तीन महीने बाद उसी मकान के मालिक ने भी शनिवार देर रात आत्महत्या कर ली।

मकान मालिक की खुदकुशी के बाद उसकी पत्नी ने गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि छात्रा के परिजन पति को झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे। साथ ही पुलिस भी बयानों के नाम पर उन्हें थाने बुलाकर घंटों बैठाकर रखती थी। पत्नी के मुताबिक इसके चलते वह डिप्रेशन में आ गए थे और उन्होंने सुसाइड कर लिया। उनका कहना है कि सुसाइड से पहले पति ने कई बार रोशनी के परिवार और पुलिस द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात कही थी।

छात्रा के परिवार के आरोपों से डिप्रेशन में थे

गांधी मेडिकल कॉलेज की 19 साल की छात्रा ने फरवरी में आत्महत्या की थी। उसी मकान के मालिक विजय राठौर ने शनिवार देर रात घर में आत्महत्या कर ली। परिजन का आरोप है कि छात्रा के परिवार के आरोपों और मानसिक प्रताड़ना के चलते विजय राठौर डिप्रेशन में थे। इसी वजह से उन्होंने आत्महत्या की।

परिजन ने जताई थी हत्या की आशंका

कोहेफिजा स्थित किराए के मकान में रोशनी चार महीने पहले किराए से रहने आई थी। मौत के बाद मेडिकल छात्रों और परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पूरी रात कोहेफिजा थाने में धरना दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया था। जांच में उसके मोबाइल से सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उसने पढ़ाई के दबाव और एमबीबीएस की कठिन पढ़ाई का जिक्र किया था। कान मालिक विजय राठौर की पत्नी का आरोप है कि इसके बावजूद परिवार ने विजय और उन्हें प्रताड़ित किया, जिससे वह मानसिक तनाव में रहने लगे और उन्होंने आत्महत्या कर ली।

छात्रा के परिजन पर कार्रवाई की मांग

करुणा राठौर ने आरोप लगाया कि छात्रा के परिजन घर आए थे और हत्या के आरोप लगाकर दबाव बना रहे थे। उन्होंने छात्रा के परिजन पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पति बेकसूर थे, फिर भी उन्हें मानसिक यातनाएं दी गईं, जिस वजह से उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

लोक अदालत : पति-पत्नी में समझौता, बच्ची को मिला परिवार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साल की दूसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। इस दौरान जिला न्यायालय में लंबित मामलों में से 17 हजार 517 मामलों निपटारा किया गया। इसमें कुल 39 करोड़ 6 हजार 492 रुपए अवॉर्ड मनी के रूप में प्राप्त की गई। इग्नू में पदस्थ जया शर्मा और आईसर के लैब असिस्टेंट बृजेश शर्मा के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद समाप्त हो गया। इनका विवाह 3 जून 2015 को हुआ था, लेकिन प्रताड़ना और आपसी कलह के कारण 2024 में मामला फैमिली कोर्ट पहुंचा। पिछले 2 साल से यह दंपति अपनी 6 साल की मासूम बेटी के साथ अलग रह रहा था। शनिवार को लोक अदालत में हुई काउंसलिंग के बाद दोनों साथ रहने को तैयार हुए और बेटी के साथ घर लौटे। वहीं भोपाल निवासी प्रीति और प्रवीण का विवाह 22 मई 2022 को हुआ था। शादी के कुछ माह बाद ही मनमुटाव बढ़ा और प्रीति ने 27 अक्टूबर 2022 को तलाक की अर्जी लगा दी। 4 साल तक चली कानूनी लड़ाई के बाद लोक अदालत की समझाइश रंग लाई।

रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

आरोग्य में बिना दवा तंदुरुस्ती की सिखाई जा रही कला

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र एक ऐसा हीलिंग होम है, जहाँ मरीज अपनी बीमारी छोड़कर ही जाते हैं। यह विचार मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश यादव ने रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए।

शिविर के प्रथम दिन विभिन्न स्थानों से आए साधकों का पंजीकरण एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया। यादव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बिना दवा तंदुरुस्ती पाना है। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली पद्धतियों जैसे नेचुरोपैथी, योग, आयुर्वेद (पंचकर्म) और होम्योपैथी के माध्यम से यहां उपचार प्रदान किया जाता है। डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि स्वस्थ जीवन प्राप्त करने का एकमात्र उपाय अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना है। शरीर में गंदगी का जमा होना ही बीमारियों का मुख्य कारण है, जिससे निजात पाने के लिए एनिमा, उपवास और अपक्व आहार का विशेष महत्व है। प्राकृतिक चिकित्सा शरीर की जीवनी शक्ति को बढ़ाकर रोगों को जड़ से खत्म करती है।

डिजिटल डिटॉक्स और अन्य गतिविधियां: शिविर में साधकों को शारीरिक और मानसिक शुद्धि के साथ-साथ डिजिटल डिटॉक्स भी कराया जा रहा है, जिसमें मोबाइल और लैपटॉप आदि से परहेज कर स्वास्थ्य लाभ लेने की सलाह दी गई है। आरोग्य केंद्र में इस शिविर के साथ हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स का भी प्रारंभ हुआ है।

सेवा सदन को मनोहरलाल पंजवानी के नेत्रों का दान

संतनगर। भोपाल निवासी मनोहरलाल पंजवानी का देहावसान 8 मई को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र नरेन्द्र पंजवानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जायेंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,321 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 28 से

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज उत्थान पंचायत के तत्वावधान में विजय नगर (लालघाटी) में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष आनंद सबधाणी ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में यह आयोजन 28 मई से 3 जून 2026 तक चलेगा। कथा का श्रीगणेश 28 मई को शाम 4 बजे श्री हरी सेवा गंगा दरबार से निकलने वाली कलश यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल महामृत्युंजय मंदिर, विजय नगर पहुंचेगी, जहां विधि-विधान से कथा का शुभारंभ किया जाएगा। प्रख्यात कथावाचक साध्वी मंजरी प्रिया अपने मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 5.30 बजे से 8.30 बजे तक श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराएंगी।

मेट्रो एंकर

संत हिरदाराम नगर रेल सलाहकार समिति की बैठक में सदस्यों ने उठाई समस्याएं

25 करोड़ रुपए का पुनर्विकास, फिर भी समस्याओं का अंबार

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को स्टेशन सलाहकार समिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता स्टेशन अधीक्षक धर्मराज अहिरवार ने की। बैठक में सदस्यों ने रेलवे प्रबंधन के सामने शिकायतों की झड़ी लगा दी। सदस्यों का कहना था कि स्टेशन के कायाकल्प पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर यात्री बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

बैठक में सुरेश तहलवानी सहित अन्य सदस्यों ने मुद्दा उठाया कि पिछली बैठक के निर्देशों के बावजूद टिकट खिड़की की संख्या नहीं बढ़ाई गई। वर्तमान में एक ही कर्मचारी पर कई जिम्मेदारियों का बोझ है- उसे ट्रेन की उद्घोषणा करनी पड़ती है, पार्सल रिसीव करने होते हैं और टिकट भी काटना पड़ता है। इस बहुआयामी कार्यभार के कारण खिड़की पर अक्सर यात्रियों की लंबी कतारें लग जाती हैं और उन्हें काफी परेशानी होती है।

शौचालयों की बदहाली और गंदगी: स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर शौचालय की सुविधा न होने से महिला यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। सदस्यों ने बताया कि पुनर्विकास के तहत बने नए एच-श्रेणी प्रतीक्षालय की हालत लोकार्पण से पहले ही खराब हो गई है; वहाँ की टाइल्स उखड़ रही हैं और पानी प्लेटफॉर्म पर बह रहा है। इसके अलावा, वीआईपी कक्ष के दरवाजे का हैंडल महीनों से टूटा हुआ है और प्लेटफॉर्मों पर लगे नलों की टोंटियां तक गायब हैं।

पहुंच मार्ग और अतिक्रमण की समस्या

स्टेशन तक पहुँचने वाला बाहरी मार्ग जर्जर और अतिक्रमण की चपेट में है। सदस्यों ने नाराजगी जताई कि नगर निगम और कलेक्टर को पत्र लिखने के निर्णय पर अभी तक कोई अमल नहीं हुआ। उज्जैन सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान मार्ग के विकल्प के रूप में धोबीघाट रोड और साजन सरिता क्लॉथ स्टोर के पीछे वाली सड़क को विकसित करने की मांग की गई। साथ ही, बिना प्लेटफॉर्म टिकट के प्रवेश रोकने के लिए सूचना पटल लगाने का सुझाव भी दिया गया।

9 प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग

संत हिरदाराम नगर को राजधानी के तीसरे बड़े स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में समिति ने डीआरएम के माध्यम से रेलवे बोर्ड से मांग की है कि उन 9 ट्रेनों को यहाँ आधिकारिक ठहराव (स्टॉपेज) दिया जाए, जो तकनीकी कारणों से यहाँ रुकती तो हैं, लेकिन यात्रियों के लिए उनका स्टॉपेज घोषित नहीं है।बैठक में चंद्रप्रकाश इसरानी चेंबर ऑफ कॉमर्स, अशोक मारण पार्षद, सुरेश जसवानी सिंधी सेंट्रल पंचायत, शिक्षाविद आनंद सबधानी और रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लोक नर्तकों ने पारंपरिक नृत्य कर किया स्वागत

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम स्थल पर लोक नृत्य दलों द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गरबा, भांगड़ा, बधाई सहित विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। उत्सव में विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, कलाकृतियों एवं मालवा सहित अन्य क्षेत्रों के लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र हैं।

रजत जयंती वर्ष में सजा मालवा उत्सव, सीएम ने आयोजकों को 5 लाख देने की घोषणा

कलाकारों ने बांधा समां, सीएम बोले- मेल-मिलाप आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से देश की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने मालवा उत्सव के उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। सीएम ने कहा कि मालवा उत्सव जैसे आयोजन छोटे कलाकारों, हस्तशिल्पियों, दुकानदारों, ठेले एवं झूला संचालकों सहित अनेक लोगों के रोजगार और अर्थतंत्र को भी मजबूती देते हैं। उन्होंने दोनों आयोजनों मालवा उत्सव और मैंगो जत्रा को सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक संस्कृति मंच के रजत जयंती वर्ष के आयोजन की सराहना करते हुए संस्था को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की।

लोक नर्तकों ने पारंपरिक नृत्य कर किया स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पर लोक नृत्य दलों द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गरबा, भांगड़ा, बधाई सहित विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। उत्सव में विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, कलाकृतियों एवं मालवा सहित अन्य क्षेत्रों के लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र हैं।

देवगढ़-रत्नागिरी के हापुस आमों से महका इंदौर का मालवा बाजार

सीएम इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार परिसर में मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मैंगो जत्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और आम उत्पादक किसानों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने आमों की विशेषताओं के बारे में जाना। तीन दिवसीय इस विशेष आयोजन में महाराष्ट्र के रत्नागिरी और देवगढ़ के प्रसिद्ध हापुस (अल्फांसो) आमों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष ऋकिसान कल्याण वर्षऋ मना रही है। उन्होंने कहा कि देवगढ़ और रत्नागिरी के हापुस आम, जिसकी देशभर में धाक और साख है, उनका माँ अहिल्या की नगरी इंदौर में मालवा के बाजार तक पहुंचना आंतरिक एकात्मता का भी प्रतीक है।

24 आम उत्पादक किसानों को 11-11 हजार की प्रोत्साहन राशि देने घोषणा

सीएम ने 24 आम उत्पादक किसानों को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। किसानों ने बताया कि वे पिछले लगभग 15 वर्षों से मैंगो जत्रा में आम लेकर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इससे किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिलता है और ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और ताजे उत्पाद उपलब्ध होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैंगो जत्रा जैसे आयोजन शहर की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सहभागिता को नई पहचान देते हैं। उन्होंने कहा कि मैंगो जत्रा में उत्पादकों द्वारा सीधे ग्राहकों तक देवगढ़ और रत्नागिरी के प्रसिद्ध हापुस आम उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

संकट: नर्मदा का जलस्तर कम

तालाब भी आधे खाली, 600 टैंकरों से भी स्वच्छ शहर इंदौर में खत्म नहीं हो रहा जलसंकट

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में 15 जून के आस-पास मानसून सक्रिय होता है, लेकिन उससे पहले शहरवासियों को 30 कठिन दिनों का सामना करना पड़ सकता है। शहर के 60 प्रतिशत से अधिक बोरिंग्स में पानी का स्तर गिर चुका है और कई बोरिंग पूरी तरह सूख गई हैं। स्थानीय तालाबों का जलस्तर आधे से ज्यादा खाली हो गया है। शहर की मुख्य जल आपूर्ति नर्मदा नदी पर निर्भर है, लेकिन इसका जलस्तर समुद्र तल से 147 मीटर तक गिर चुका है।

इंदौर में प्रतिदिन कुल 430 एमएलडी पानी की मांग है, लेकिन वर्तमान में केवल 320 एमएलडी पानी उपलब्ध हो पा रहा है। नर्मदा और यशवंत सागर से मिल रही आपूर्ति 350 एमएलडी है। यशवंत सागर तालाब, जिसकी कुल क्षमता 19 फीट है, आधा खाली हो चुका है और यह तालाब शहर को प्रतिदिन 30 एमएलडी पानी उपलब्ध कराता है।

शहर में जल वितरण के लिए हर दिन 600 से अधिक टैंकर दौड़ रहे हैं। कुछ वार्डों में दो टैंकर और कुछ में तीन टैंकर भेजे जा रहे हैं। शहर की 100 से अधिक बस्तियों की गलियां इतनी तंग हैं कि वहां टैंकर या चार-पहिया वाहन तक नहीं पहुँच सकते। गोमा की फेल, पंचम की फेल, लाला का बगीचा, चंदन नगर, अशर्फी नगर, धीरज नगर, कृष्णबाग कॉलोनी सहित कई गलियों में लोग दिनभर खाली बर्तन और केन में पानी भरने के लिए इंतजार कर रहे हैं। तालाबों का कम जलस्तर आसपास की कॉलोनियों के भूजल स्तर को प्रभावित कर रहा है। जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ जाती है जबकि आपूर्ति प्रभावित होती है। इसलिए कुछ इलाकों में जलसंकट और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है।

इसलिए इंदौर में गहराया जलसंकट

- शहर में 60 प्रतिशत से ज्यादा बोरिंगों में पानी कम आ रहा है। कई बोरिंग पूरी तरह सूख गए है।
- तालाबों का जलस्तर कम हुआ है। इससे आसपास की कॉलोनियों का भूजल स्तर प्रभावित हो रहा है।
- नर्मदा नदी का जलस्तर भी कम हुआ है। शहर में 100 एमएलडी पानी की कमी हो गई है।
- टैंकर नर्मदा की टंकियों से भरे जा रहे है। इस कारण नलों में भी पानी का दबाव कम है।

कटनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में वित्तीय अपराधों एवं आमजन से धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कटनी जिले की एनकेजे थाना पुलिस को व्यापार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। कार्रवाही के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36 लाख 30 हजार रुपये नगद एवं घटना में प्रयुक्त एक लग्जरी वाहन सहित 76 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। प्राप्त जानकारी के

अनुसार फरियादी से आरोपी द्वारा स्वयं को रेलवे का कॉन्ट्रेक्टर बताते हुए रेलवे से संबंधित कार्य में निवेश कराने का झांसा दिया गया। आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से विश्वास में लेकर रेलवे ठेका दिलाने एवं उसमें लाभ दिलाने का प्रलोभन दिया तथा छलपूर्वक 36 लाख 30 हजार की राशि प्राप्त कर ली।

सोशल मीडिया पर सक्रियता बनेगी उम्मीदवारी का पैमाना

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों के लिए परंपरागत राह छोड़ नई दिशा में भाजपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में निकाय चुनावों के लिए भाजपा ने अपने परंपरागत तरीके में बदलाव करते हुए नए चेहरों को प्राथमिकता देने और चुनावी तैयारी करीब एक वर्ष पहले ही शुरू करने का फैसला लिया है। पार्टी का उद्देश्य युवा नेतृत्व और नए चेहरों को मौका देना है ताकि जमीनी स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन किया जा सके। योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए पार्टी ने चुनाव से काफी पहले ही खोजबीन और चयन प्रक्रिया शुरू करेगी। 60 वर्ष से अधिक आयु के नेताओं और लगातार तीन बार पार्षद रह चुके लोगों को टिकट दिए जाने की संभावना बेहद कम है।

इंटरनेट मीडिया पर उम्मीदवारों की सक्रियता, फॉलोअर्स की संख्या और डिजिटल जुड़ाव को चयन का एक

महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। बता दें, अगले वर्ष यानी 2027 में नगरीय निकाय के चुनाव प्रस्तावित हैं। पिछले चुनाव में 16 नगर निगमों से पांच में कांग्रेस और एक पर आम आदमी पार्टी का महापौर चुना गया था। इसके अतिरिक्त अन्य नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में भाजपा का वर्चस्व बरकरार रहा था। इन निकायों में अध्यक्ष के चुनाव सीधे जनता के स्थान पर पार्षदों के माध्यम से कराए गए थे। अब सरकार ने फिर व्यवस्था में परिवर्तन कर दिया है।

अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली यानी जनता सीधे मतदान से करेगी। सीटों का आरक्षण भी होगा। इस नई व्यवस्था में भाजपा भी नए चेहरों को अधिक से अधिक अवसर देने की दिशा में काम कर रही है। पार्टी ने तय किया है कि चुनाव से ठीक पहले के बजाय अभी से प्रत्याशी तय करने की दिशा में काम किया जाए।

पार्टी गतिविधियों में सक्रिय जन प्रिय युवाओं को मिलेगा मौका

भाजपा के संभाग व जिला प्रभारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई कि वे अपने-अपने प्रभार के क्षेत्र में ऐसे युवाओं को चिह्नित करें जो पार्टी में सक्रिय और लोकप्रिय हैं। ऐसे युवाओं के नाम आगे बढ़ाए जाएंगे।

कान्हा में 'जंगली भैंस' की वापसी से हो रहा प्रदेश का वन्य वैभव समृद्ध

भोपाल । मध्यप्रदेश के वन्य जीव संरक्षण इतिहास में कान्हा टाइगर रिजर्व में 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना कार्यक्रम के द्वितीय चरण के सफल संचालन से नया अध्याय जुड़ गया। लगभग एक शताब्दी पूर्व प्रदेश के वनों से विलुप्त हो चुकी 'जंगली भैंस' प्रजाति की वापसी अब साकार हो रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला के सुपखार परिक्षेत्र में शुक्रवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री एल. कृष्णमूर्ति ने 4 और जंगली भैंसों को विशेष रूप से निर्मित बाड़े में सफलतापूर्वक मुक्त किया। इस अवसर पर संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व श्री रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) श्री प्रकाश वर्मा, उप संचालक (बफर) सुश्री अमिथा के.बी., समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा।

राज्य निर्वाचन आयोग की बड़ी कार्रवाई

मप्र के 3500 प्रत्याशी अयोग्य घोषित नगरीय निकाय चुनाव नहीं लड़ सकेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव लड़ने के नियमों का पालन नहीं करने पर 2022 का चुनाव लड़ चुके 3500 अभ्यर्थियों को आगामी 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव लड़ने से अयोग्य करार दिया है। आयोग ने यह कार्रवाई लगातार सुनवाई के बाद की है। ये वे प्रत्याशी हैं, जो चुनाव खर्च का ब्यौरा पेश नहीं कर पाए।

आयोग की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद पद का चुनाव लड़ने वाले 3500 अभ्यर्थियों को आयोग ने अयोग्य घोषित कर दिया है। इसकी वजह यह है कि जिन अभ्यर्थियों को दो साल तक के लिए अयोग्य किया गया है, वे 2027 के जून-जुलाई में होने

वाले चुनाव तक अपनी अयोग्यता की अवधि पूरी नहीं कर पाएंगे। इसलिए वे चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। वहीं, जिन्हें पांच साल के लिए अयोग्य किया गया है, वे 2031 तक चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। नियम के मुताबिक, चुनाव परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर हर प्रत्याशी को अपने चुनावी खर्च का पाई-पाई का ब्यौरा देना अनिवार्य होता है। आयोग की जांच में सामने आया कि इन 3500 अभ्यर्थियों ने या तो खर्च का हिसाब दिया ही नहीं, या फिर जो जानकारी दी वह अधूरी और असंतोषजनक थी।

भोपाल के 82 अभ्यर्थी

413 में से 393 नगरीय निकायों में यह कार्रवाई हुई पूरी। ज अयोग्य घोषित अभ्यर्थी- लगभग 3500 (प्रदेश भर में)। राजधानी के 82 और बैरसिया के 3 अभ्यर्थियों सहित जिला स्तर पर बड़ी सूची तैयार की गई है। भोपाल में 100 डिफॉल्टरों की लिस्ट थी, जिनमें से केवल 12 ही चुनाव लड़ पाएंगे, बाकी 82 बाहर हो गए। इस कार्रवाई का सबसे बड़ा झटका उन नेताओं को लगा है, जो आगामी उपचुनावों या अगले स्थानीय चुनावों में फिर से दावेदारी की तैयारी कर रहे थे। अयोग्य घोषित होने के बाद अब ये अभ्यर्थी अयोग्यता की अवधि (2 से 5 वर्ष तक) पूरी होने तक किसी भी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल नहीं कर सकेंगे।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी तेज महाकाल मंदिर में होंगे बदलाव

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब सुविधाओं के विस्तार के साथ ही सिंहस्थ 2028 की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा और दर्शन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई बड़े बदलाव करने जा रहा है। आने वाले समय में श्रद्धालुओं को न सिर्फ दर्शन में आसानी होगी, बल्कि उन्हें मंदिर की अन्य प्रमुख आरतियों की जानकारी भी मिल सकेगी।

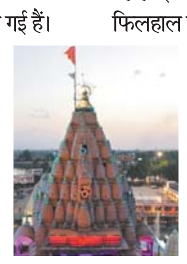

महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह ने बताया कि सिंहस्थ महाकुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए मंदिर की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है। गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए महाकाल लोक में फिलहाल फॉगिंग फव्वारे लगाए गए हैं। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को धूप और गर्मी से राहत देने के लिए करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से फैब्रिकेशन शेड लगाया जाएगा। वहीं दर्शन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही क्यूआर आधारित बैरियर्स भी लगाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को व्यवस्थित और आसान तरीके से दर्शन हो सकेंगे। अभी तक देश-विदेश से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु केवल सुबह होने वाली भस्म आरती के बारे में ही जानते हैं।

मेट्रो एंकर

सांस्कृतिक पहचान को सहेजने का अभियान, धरोहर संरक्षण में बना मिसाल

वैज्ञानिक तकनीक से संवर रहे मप्र के प्राचीन मंदिर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों के पुनरुद्धार को लेकर राज्य में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरें केवल पुरानी इमारतें नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, कला, स्थापत्य और सभ्यता की जीवंत पहचान हैं। इन्हें संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ी रह सकें।

वैज्ञानिक तरीके से लौट रहा प्राचीन वैभव- राज्य सरकार द्वारा कई प्राचीन मंदिरों और धरोहर स्थलों पर वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण और पुनर्स्थापन का कार्य किया जा रहा है। वर्षों पहले खंडित हो चुके मंदिरों के अवशेषों को पुरातत्व विशेषज्ञों की मदद से फिर से मूल स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है। इस प्रक्रिया में बिखरे पत्थरों, मूर्तियों और स्थापत्य अवशेषों को चिन्हित कर व्यवस्थित ढंग से जोड़ा जा रहा है।

देवबड़ला और आशापुरी बने उदाहरण- सीहोर जिले का देवबड़ला और रायसेन जिले का आशापुरी क्षेत्र इस अभियान के प्रमुख उदाहरण बनकर सामने आए हैं। यहां कभी प्राचीन मंदिर पूरी तरह नष्ट होने की स्थिति में पहुंच गए थे। उत्खनन के दौरान मिले अवशेषों और खंडित प्रतिमाओं को संरक्षित कर दोबारा स्थापित किया गया है। विशेषज्ञों ने पुराने स्थापत्य स्वरूप का अध्ययन कर मंदिर संरचनाओं को ऐतिहासिक

धरोहर संरक्षण से बढ़ेगा पर्यटन

सरकार का मानना है कि धरोहर संरक्षण से न केवल सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। रायसेन जिले के धवला क्षेत्र में मंदिरों की संरचनात्मक सुरक्षा और विशेष सफाई अभियान भी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रदेश में चल रहे ये प्रयास मध्यप्रदेश को देश में विरासत संरक्षण का एक बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

ओंकारेश्वर और महाकाल क्षेत्र में भी संरक्षण कार्य

खंडवा जिले के ओंकारेश्वर स्थित सिद्धेश्वर मंदिर और आसपास के अन्य मंदिर परिसरों में भी संरक्षण कार्य तेजी से जारी है। यहां प्राचीन संरचनाओं को सुरक्षित रखने के लिए विशेष तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं उज्जैन के महाकाल मंदिर परिसर में भी पुरानी धरोहरों को संरक्षित कर उनके ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखने का प्रयास किया गया है।

शार्क टैंक वाले अमन गुप्ता के केस ने बढ़ाई जागरूकता

शार्क टैंक के जज अमन गुप्ता , जो एक उद्यमी, बोट कंपनी के सह संस्थापक है और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं, इन दिनों चर्चा में हैं। अमन गुप्ता ने अपने 'पर्सनैलिटी राइट्स' की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। दरअसल यह मामला न केवल उनके व्यक्तिगत अधिकारों से जुड़ा है, बल्कि डिजिटल युग में हर आदमी खासकर सार्वजनिक हस्तियों की पहचान और प्रतिष्ठा की सुरक्षा के व्यापक सवाल भी उठाता है।

डिजिटल युग में पहचान ही ब्रांड पर्सनैलिटी राइट्स जरूरी

सरल भाषा में 'पर्सनैलिटी राइट्स' किसी व्यक्ति विशेष की विशेष पहचान होती है। पर्सनैलिटी राइट्स जिन्हें 'राइट ऑफ पब्लिसिटी' भी कहा जाता है, किसी व्यक्ति के नाम, तस्वीर, आवाज, हस्ताक्षर, या अन्य विशिष्ट पहचान से जुड़े अधिकार होते हैं। कहा जाए तो , ये अधिकार किसी व्यक्ति को यह नियंत्रण देते हैं कि उसकी पहचान का उपयोग कौन, कैसे और किस उद्देश्य से कर सकता है। भारत में इसे अलग अलग कानूनी प्रावधानों जैसे कि कॉपीराइट कानून, ट्रेडमार्क कानून, और निजता के अधिकार से जुड़े कानूनों के जरिए जोड़ा गया है।

भारत में पर्सनैलिटी राइट्स सीधे-सीधे किसी एक अधिनियम में नहीं मिलते, लेकिन इनका आधार कुछ स्रोतों से निकलता है। संविधान का अनुच्छेद 21 से व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जिसमें निजता का अधिकार भी शामिल है। यदि किसी व्यक्ति की पहचान का बिना अनुमति उपयोग किया जाता है और इससे उसकी प्रतिष्ठा या आर्थिक हित प्रभावित होते हैं, तो वह 'Misappropriation' के आधार पर मुकदमा कर सकता है। कई सेलिब्रिटी अपने नाम या ब्रांड को ट्रेडमार्क के रूप में रजिस्टर कराते हैं ताकि उसका व्यावसायिक दुरुपयोग रोका जा सके।

राइट्स के दावों में बढ़ोतरी

हालांकि, भारतीय कानून में पहले से ही ऐसी चोटों के लिए उपाय मौजूद हैं। बदनामी पर सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के कानून में कार्रवाई हो सकती है। नकल करना और साइबर धोखाधड़ी इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 और भारतीय न्याय संहिता, BNS 2023 के तहत आते हैं; अश्लील या सेक्सुअली मार्फ सामग्री पर क्रिमिनल सज़ा हो सकती है। ऐसे मामलों में जज और केस करने वाले लोग अक्सर बने-बनाए कानूनी तरीकों का प्रयोग करते हुए, पर्सनैलिटी राइट्स की दलीलों पर भी ध्यान देते हैं। हाल के दिनों में अभिषेक बच्चन का अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पर एतराज़, अनिल कपूर का 'झकास' शब्द पर एतराज़, करण जौहर का एक फ़िल्म के टाइटल में उनके नाम के इस्तेमाल को चुनौती देना, और पवन कल्याण का अपनी तस्वीर के कमर्शियल इस्तेमाल को चुनौती देना इसके अच्छे उदाहरण हैं। इनसे पता चलता है कि कैसे बिना इजाज़त के किसी व्यक्ति से जुड़ी छवि या अन्य प्रतीकों का इस्तेमाल कानूनी कार्रवाई को बढ़ावा दे सकता हैं।

टेक्नोलॉजिकल बदलाव हैं बड़ी वजह

देखा जाए तो पर्सनैलिटी राइट्स के मुकदमों में पिछले कुछ सालों से काफी बढ़ोत्तरी है। इसकी वजह है कि हाल के सालों में टेक्नोलॉजिकल तरक्की काफी तेजी से बढ़ी है। AI से बने डीपफेक, आवाज़ की नकल, बदली हुई फ़ोटो, वायरल मीम और सिंथेटिक एंडोर्समेंट ने किसी सेलिब्रिटी की पहचान को दोबारा बनाने और रीमिक्स करने में काफ़ी मदद की है। इन टेक्नोलॉजी में बड़े खतरे होते हैं, जिनमें नकल करना, लोगों को धोखा देना, बदनामी और गलत तरीके से पेश करना शामिल है।

अमन गुप्ता ने हाईकोर्ट का रुख क्यों किया?

शार्क टैंक के होस्ट और बड़े उद्यमी अमन गुप्ता ने अदालत का दरवाजा इसलिए खटखटाया क्योंकि उनकी पहचान—जैसे नाम, तस्वीर और व्यक्तित्व—का कथित तौर पर बिना अनुमति व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। उनका कहना है कि उनके नाम और फोटो का इस्तेमाल कर फर्जी विज्ञापन चलाए जा रहे थे, कुछ प्लेटफॉर्म्स पर उन्हें ऐसे उत्पादों से जोड़ा जा रहा था, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं था। इससे उनकी ब्रांड वैल्यू और विश्वसनीयता को नुकसान होने का खतरा था। दिल्ली हाइ कोर्ट में दायर याचिका में अमन गुप्ता ने कोर्ट से मांग की है कि कोई भी व्यक्ति या कंपनी उनकी अनुमति के बिना उनकी पहचान का उपयोग न करे। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया जाए कि वे ऐसे सभी विज्ञापन और कंटेंट हटाएं। भारत में पर्सनैलिटी राइट्स अब सिर्फ एक सैद्धांतिक अवधारणा नहीं रह गए हैं, बल्कि यह एक व्यावहारिक और जरूरी कानूनी सुरक्षा बन चुके हैं। डिजिटल युग में, जहां पहचान ही ब्रांड बन जाती है, वहां उसका संरक्षण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी संपत्ति का। यह मामला आने वाले समय में भारत के कानूनी ढांचे को दिशा दे सकता है और यह तय करेगा कि किसी व्यक्ति की पहचान पर उसका नियंत्रण कितना मजबूत है।

पर्सनैलिटी राइट्स की प्रमुख बातें और अधिकार

पर्सनैलिटी राइट्स को कहा जाए तो कई महत्वपूर्ण अधिकारों का समूह हैं। इसके जरिए कोई भी नागरिक अपने नाम और पहचान पर नियंत्रण कर सकता है। साथ ही कोई भी व्यक्ति अपने नाम, फोटो या पहचान के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित कर सकता है। यदि किसी की पहचान का उपयोग कर पैसा कमाया जा रहा है, तो उस व्यक्ति को इसका अधिकार है कि वह इसकी अनुमति दे या इसके बदले भुगतान ले। और यदि नहीं मिलता तो यह उसका अधिकार है कि ऐसे उपयोगों को रोक दे या कानून का सहारा ले। किसी व्यक्ति की छवि को नुकसान पहुँचाने वाले उपयोग जैसे उसके नाम का उपयोग कर फर्जी विज्ञापन या गलत प्रचारों को रोकने का अधिकार हर नागरिक को है। आज के समय में डीपफेक, AI कंटेंट और फेक प्रमोशन के खिलाफ यह अधिकार बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

जीवन-ज्योति

क्रोध और घृणा से निपटने में आध्यात्मिक शिक्षा महत्वपूर्ण

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

सभी धर्म अहिंसा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और समाज के प्रति मित्रता, करुणा और सेवा के मूल्यों पर जोर देते हैं। इन सामान्य सिद्धांतों को उजागर किया जाना चाहिए और बच्चे की शिक्षा में आरंभ से ही इसे शामिल किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, आज प्रत्येक धर्म में ऐसे लोग हैं, जो अन्य संस्कृतियों और धर्मों के बारे में भय और पूर्वाग्रह की धारणाएं रखते हैं। क्रोध और घृणा से निपटने में आध्यात्मिक शिक्षा महत्वपूर्ण है। क्रोध और घृणा को नियंत्रित करने के साधन के बिना, ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जहां व्यक्ति तर्क की दृष्टि खो देता है। जब तर्क करने की क्षमता खो जाती है, तो सहिष्णुता और करुणा के मानवीय मूल्य खो जाते हैं। आतंकवादी या हिंसक व्यक्ति के पास जीवन के लिए कोई सम्मान नहीं है। आध्यात्मिक शिक्षा की कमी एक तरफ घरेलू और सामाजिक हिंसा को जन्म देती है और दूसरी तरफ आत्मघाती प्रवृत्ति को। जब कोई व्यक्ति निराश या क्रोधित होता है, तो आप उससे भाईचारे और अहिंसा की आशा नहीं कर सकते। समाज में जुड़ाव की भावना इस बात पर निर्भर करती है कि लोग अहिंसा या अहिंसा के सिद्धांत के प्रति कितने उन्मुख हैं। यदि अहिंसा, प्रेम, मित्रता और करुणा के मूल्य किसी व्यक्ति में दृढ़ता से समाहित हैं, तो निराशा को बेहतर ढंग से संभाला जा सकता है।

हिंसा की घटनाओं के मूल कारण तक पहुंचने की आवश्यकता है। समस्या यह है कि शांतिप्रिय लोग समाज में शांति को बढ़ावा देने में सक्रिय नहीं होते हैं, और जो सक्रिय होते हैं, उनके भीतर शांति की कमी होती है। आज समाज में शांति और गतिशीलता के संयोजन की आवश्यकता है। यह सही शिक्षा से संभव है। हमें मित्रता, करुणा और अहिंसा के मानवीय मूल्यों के बारे में समाज को शिक्षित करने में भूमिका निभानी चाहिए। मानवीय मूल्य सामाजिक और नैतिक मानदंड हैं, जो सभी संस्कृतियों और समाजों के साथ-साथ धर्मों में भी समान हैं। वे सामाजिक प्रगति और आध्यात्मिक विकास के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब किसी के जीवन के आध्यात्मिक पहलू पर ध्यान दिया जाता है, तो यह दायित्व, जुड़ाव की भावना, करुणा और पूरी मानवता की देखभाल की भावना को जन्म देता है।

आध्यात्मिकता जीवन को बनाए रखती है। यह जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्रीयता की संकीर्ण सीमाओं को तोड़ती है। आध्यात्मिकता व्यक्ति को हर जगह मौजूद जीवन के बारे में जागरूकता देती है। इस जागरूकता और मानवीय चेतना के उत्थान के माध्यम से ही धर्म के नाम पर हिंसा को समाप्त किया जा सकता है।

हर मानव को निभानी चाहिए ये भूमिका: हमें दुनिया के हर हिस्से से ज्ञान और बुद्धि को स्वीकार करना सीखना होगा। हम वैश्वीकरण के युग में जी रहे हैं, हमें बुद्धि को भी वैश्वीकृत करने की आवश्यकता है। अगर दुनिया के एक हिस्से में भी मित्रता, सहिष्णुता और करुणा के इन मानवीय मूल्यों की कमी है, तो दुनिया सुरक्षित जगह नहीं होगी, क्योंकि वह हिस्सा हिंसा और आतंकवाद को जन्म दे सकता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 10 मई से 16 मई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन : राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अतः आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्त था बढ़ेगी जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला :राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है अतः अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर: राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

दिया कबीरा रोय

दूंढ़ते रह जाओगे ...

प्रेम विज
व्यंग्यकार

जनता और नेता का सम्बन्ध घी और खिचड़ी जैसा नहीं होता, बल्कि दुल्हा और बारात जैसा होता है। दुल्हा दुल्हन को लेकर फुर हो जाता है और बराती बेचारे खाना खाते रह जाते हैं। बरातियों की विशेषता जन की तरह होती है। बरातियों को चाहे जितना भी स्वादिष्ट भोजन परोस दिया जाए लेकिन वे उस में भी कोई न कोई नुक्स जरूर निकाल देते हैं। नेता जी भी मंत्री पद मिलते ही आलोप हो जाते हैं। जनता नेता में नुक्स निकालती रहती है। नेता जी ने चुनाव के समय चाहे जन की कितनी भी सेवा की हो, यहां तक कि पैसा पानी की तरह बहाया हो, लेकिन जन हमेशा नेता से नाखुश रहते हैं। इसलिए गद्दी मिलते ही नेता जी जन से दूर चले जाते हैं।

एक अन्य कारण यह भी है नेताओं ने भी जनता को बहुत हसीन सपने दिखा रखे होते हैं। जन इन हसीन सपनों के जाल में फंस कर नेताओं को अपने ऊपर हकूमत करने के लिए भेज देती हैं। नेता भी चुनाव जीतने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाते हैं कभी सस्ती चीजें दिलाने, कभी उनके मकान पक्के करने के वायदे करता है। इन सपनों में जन को डूबोने के लिए वे दारू भी पिलाते हैं। नेता जी के लिए चुनाव जीतना अब आसान नहीं रहा, पहले नेताओं के दर्शनों के लिए जनता खुद भागी चली आती थी। नेता की भगवान की तरह पूजा होती थी। चुनाव में ज्यादा खर्च भी नहीं होता था। अब तो चुनाव शादी से भी ज्यादा खर्चीले हो गये हैं। चुनाव के लिए बड़े-बड़े समारोह किये जाते हैं। बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाये जाते हैं। इन समारोहों में जनता स्वयं नहीं आती है। उन्हें दाम देकर लाना पड़ता है, सिर्फ यही नहीं बल्कि उनके खाने पीने का भी इंतजाम करना पड़ता है। इसलिए अब चुनाव, चुनाव न रह कर कारोबार बन चुका है।

ज्यों ही नेता जी चुनाव जीत जाते हैं सब से पहले जन से दूर हो जाते हैं। फिर मंत्री पद हासिल करने पर वे जन से और ज्यादा दूरी बना लेते हैं। इसके पीछे कई रहस्य हैं। जनता ने उन्हें चुना नहीं होता, बल्कि नेता जी के वोटों ने उन्हें खरीदा होता है चुनाव में जितनी रकम लगाई होती है वे पद मिलते ही उसकी वसूली शुरू कर दी जाती है।

जन का क्या वह फिर से खरीद ली जायेगी। नेता जी राज गद्दी मिलते ही अपना शहर छोड़ राजधानी में रहना शुरू कर देते हैं। राजधानी में पहुंचना आम आदमी की हद में नहीं होता। यदि कुछ लोग हिम्मत और पैसा खर्च कर राजधानी पहुंच भी जाए तो उन्हें मंत्री के घर के बाहर सुरक्षा गार्ड ही अन्दर घुसने नहीं देगा। यदि किसी ने बहुत पहचान निकाल कर अंदर घुसने की हिम्मत कर भी ली तो आफिस में बैठा बाबू पहले तो देर तक टैलीफोन पर बातें करता रहेगा और ज्यों ही आप पूछने की कोशिश करेंगे,वह आपको अंगुली को मुंह पर रख कर चुप रहने का इशारा करेगा। जब वह टेलीफोन से मुक्त हो जाता है तो फिर वह आप से पूछेगा क्या काम है, यह प्रश्न सुनकर आम आदमी घबरा कर काम तो क्या अपना नाम भी भूल जाता है। मंत्री जी के पास मिलने ज्यों ही किसी व्यक्ति की पर्ची पहुंचती है तो वह भीतर से ही संदेश पहुंचा देते हैं। जिन सज्जन पुरुषों ने चुनाव में तन और धन से सेवा की होती है उन्हें मंत्री जी तुरन्त अंदर बुला लेते हैं। बाकी के बारे में बता दिया जाता है कि मंत्री जी बहुत व्यस्त हैं फिर कभी मिलने के लिए आएं। जो व्यक्ति सुबह सवेरे घर से निकल कर बसों में धक्के खाकर मंत्री के आवास पर पहुंचा हो जब उसे यह कह दिया जाए फिर आना तो यह शब्द आसमानी बिजली की तरह उस पर गिरते हैं। मंत्री जी अपने चुनाव क्षेत्र में आने से कतराते रहते हैं, क्योंकि वहां सिवाय लोगों की शिकायतों के कुछ भी सुनने को नहीं मिलेगा। दूसरा उन्होंने जनता को जो हसीन सपने दिखा रखे होते हैं वह सभी हवा में उड़ रहे होते हैं। यदि कोई समर्थक मंत्री जी को बुला ले तो भागे चले आते हैं। क्योंकि उसका तमाम खर्च उस समर्थक ने उठाना होता है। टी पार्टी में वह अपने पसंद के लोगों को बुलाता है। चुनाव क्षेत्र में पहुंच कर मंत्री जी अपने घर नहीं ठहरते बल्कि सरकारी बंगले में लाव लश्कर के साथ ठहरते हैं। यहां पर भी काली वर्दी पहने कमांडों आम आदमी को मंत्री के पास नहीं फटकने देते। सुनहरी सपनों में घिरी जनता अपने नेता को ढूंढ़ती रह जाती है।

वास्तु टिप्स

ऑफिस में समृद्धि और सकारात्मकता के लिए आसानी से लगा सकते हैं जेड प्लांट

अगर आप ऑफिस डेस्क के लिए ऐसा पौधा तलाश रहे हैं जो कम देखभाल में भी लंबे समय तक हरा-भरा रहे, तो जेड प्लांट बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा धन, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। यही वजह है कि कई लोग इसे मनी प्लांट ऑफ सक्सेस भी कहते हैं। जेड प्लांट को ज्यादा पानी या तेज धूप की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए व्यस्त ऑफिस लाइफ में भी इसकी देखभाल आसान रहती है। विशेषज्ञों के मुताबिक सही गमला, हल्की धूप और संतुलित सिंचाई से यह पौधा तेजी से बढ़ता है और वातावरण को ताजगी से भर देता है।

गर्मी का मौसम जेड पौधे की कटिंग लगाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि इस समय पौधा तेजी से जड़ें बनाता है। इस प्लांट को कभी भी लगाया जा सकता है, लेकिन ठंडे महीनों में इसमें ज्यादा समय लगता है। नए पौधों को गर्म मौसम में ट्रांसप्लांट करें, जिससे उन्हें अच्छी शुरुआत मिले, ठीक वैसे ही जैसे उनके मूल स्थान में. लगातार बढ़त के लिए, जब भी आपको लंबी टहनियां दिखें, उन्हें प्रूनर से काट दें।

सही जेड कटिंग तैयार करना: 5-10 इंच लंबी टहनी को साफ और तेज कैंची से काटें और नीचे की पत्तियां हटा दें। पत्तियों के लिए, स्वस्थ पत्तियों को धीरे से मरोड़कर निकालें। कटे हुए सिरों को छाया में 2-5 दिन तक सूखने दें, जिससे वे सख्त हो जाएं और सड़ने से बचें। टहनियां जल्दी जड़ें बनाती हैं और पत्तियां बिना मुख्य पौधे को नुकसान पहुंचाए कई नई पत्तियां देती हैं। सूखे सिरे को पानी के गिलास या जार में या सक्यूलेंट्स के लिए गीली मिट्टी में डालें। पत्तियों के लिए, उनके बेस को हल्के कोण पर गीली मिट्टी में लगाएं। इसे गर्म जगह पर रखें, जहां तेज लेकिन सीधी धूप ना हो. जरूरत हो तो पानी स्प्रे करें। जड़ों के बढ़ने के लिए कुछ सप्ताह इंतजार करें, पानी में जड़ें आसानी से दिखती हैं। मिट्टी को ज्यादा गीला ना रखें, वरना पौधा सड़ सकता है।

नई पौधों की देखभाल: नई जड़ वाली जेड पौधों को कैक्टस या सक्यूलेंट्स की मिट्टी में लगाएं। ऐसे गमले चुनें जिनमें पानी निकलने के लिए छेद हों। इन्हें पश्चिम की ओर वाली खिड़की के पास रखें, जहां रोज कम से कम 4 घंटे धूप मिले। पानी देते समय ध्यान रखें कि मिट्टी पूरी तरह से सूखी हो, आमतौर पर सप्ताह में एक बार पानी देना सही रहता है. लंबी टहनियों को काटें ताकि पौधा घना रहे और कटिंग से और पौधे बना सकें।

सराफा दुकान से जेवर उड़ाने वाली पारदी गिरोह की 3 महिलाएं गिरफ्तार

धार। धामनोद पुलिस ने पुराना बस स्टैंड स्थित यशोदा ज्वेलर्स की दुकान में हुई चोरी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग की तीन महिला सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इन महिलाओं ने ग्राहक बनकर एक सराफा दुकान से करीब डेढ़ लाख रुपये से अधिक के चांदी के आभूषण पार कर दिए थे। 6 मई की दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच यशोदा ज्वेलर्स पर राजस्थानी वेशभूषा में सजी-धजी तीन महिलाएं जेवर खरीदने के बहाने दाखिल हुईं। दुकान कर्मचारी श्याम पिता सत्यनारायण सोनी ने बताया कि महिलाओं ने काफी देर तक चांदी के विभिन्न आभूषण दिखाने को कहा। कर्मचारी को बातों में उलझाकर और कई डिजाइन दिखवाकर, उन्होंने बड़ी सफाई से कीमती जेवरों पर हाथ साफ कर दिया और कुछ भी पसंद न आने का बहाना बनाकर वहां से चली गईं। महिलाओं के जाने के बाद जब स्टॉक का मिलान किया गया, चांदी की रमजोल जिसकी कीमत 1 लाख रुपयों से अधिक थी, चांदी का कमर कंदोरा तो चांदी के दो मुख्य आभूषण गायब मिले। दुकान संचालक जयप्रकाश पाटीदार ने तुरंत सीसीटीवी कैमरों की चैक किए जिसमें महिलाएं जेवर चुराते हुए साफ नजर आईं। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई और व्यापारियों के व्हाट्सएप ग्रुपों पर महिलाओं के फुटेज व तस्वीरें शेयर की गई। इसी बीच जानकारी मिली कि संदिग्ध महिलाएं खेतिया क्षेत्र में देखी गई हैं। धामनोद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की और व्यापारियों के सहयोग से तीनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह एक संगठित गिरोह है, जिसमें 5 से 6 महिलाएं और एक बच्चा शामिल रहता है। बच्चा अक्सर दुकानदारों का ध्यान भटकाने के लिए उपयोग किया जाता था। धामनोद पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है, पुलिस अब गिरोह की अन्य सदस्यों और चोरी किए गए माल की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नार्कोटिक्स की चित्तौड़गढ़ और जावरा टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

एमपी-राजस्थान बॉर्डर पर 21 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ाई, खेत में चल रही थी फैक्ट्री

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा पर नार्कोटिक्स विभाग की टीम ने नशे के सौदागरों पर कड़ा शिकंजा कसते हुए अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नार्कोटिक्स की चित्तौड़गढ़ और जावरा टीम ने एक संयुक्त ऑपरेशन चलाकर सूबे के मंदसौर जिले के अंतर्गत आने वाले लसुड़िया इला गांव में चल रही एक अवैध ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। बताया जा रहा है कि, कार्रवाई के दौरान टीम को करीब 21 करोड़ की कीमत की एमडी ड्रग्स और भारी मात्रा में कच्चा माल बरामद हुआ है। फिलहाल, टीम ने नशे का सारा माल जब्त कर अवैध रूप से संचालित फैक्ट्री को सील कर दिया है।

बताया जा रहा है कि ड्रग्स माफियाओं ने पुलिस और प्रशासन की नजरों से बचने के लिए लसुड़िया इला गांव में स्थित एक सुनसान खेत में नशे की इस फैक्ट्री को स्थापित कर रखा था। यहां अवैध रूप से नशे की फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर जब नार्कोटिक्स की संयुक्त टीम ने दबिश दी तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। खेत में बने स्ट्रक्चर के अंदर ड्रग्स बनाने की पूरी यूनिट धड़ल्ले से तैयार की जा रही थी। नार्कोटिक्स विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए मौके से भारी मात्रा में नशे का सामान जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि,

कार्रवाई के दौरान टीम को मौके से 21 किलो तैयार एमडी ड्रग्स, 30 लीटर तरल केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक मोटर, तौल कांटे, बड़े ड्रम और फुल फेस मास्क पकड़ा है।

टीम ने मौके से फैक्ट्री संचालित कर रहे दो मुख्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों से शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि, यहां से ड्रग्स बनाकर मध्य प्रदेश और राजस्थान के अलग अलग इलाकों में नशे का ये सामान सप्लाई किया जाता था। टीम को आशंका है कि, नशे के इस अवैध कारोबार के तार किसी बड़े अंतर्राष्ट्रीय या अंतर्राज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े हो सकते हैं।

भारी मात्रा में मेफेड्रोन और अफीम बरामद

कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में सिंथेटिक नारकोटिक पदार्थ की जब्ती और गुप्त लैब पकड़ी। ब्यूरो ने सिंथेटिक ड्रग के खतरे को रोकने और इसमें लगे लोगों पर एक्शन लिया। वहीं, कार्रवाई के दौरान 21.189 किलो मेफेड्रोन एवं 487 ग्राम अफीम पकड़ी गई। साथ ही मेफेड्रोन बनाने में इस्तेमाल किये जाने वाले 30.8 लीटर केमिकल और दूसरे लिक्विड्स भी बरामद किए। इस अवैध फैक्ट्री में एमडी बनाने के उपकरण के 10 बैग मिले हैं।

खेत में बना रखी थी फैक्ट्री

मीडिया रिपोर्ट्स में टीम के अफसर नरेश बुन्देल से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि, इस मादक पदार्थ को विशेष कर युवाओं को नशे की लत लगाने में इस्तेमाल हो रहा था। पूरे मामले में सिंडिकेट के पीछे लगे लोगों के संबंध में पड़ताल शुरु कर दी गई है। ये माल कहां पर सप्लाई होना था? ड्रग्स तैयार करने में इस्तेमाल केमिकल्स कहां से लाया जाता था? कौन-कौन इस सिंडिकेट में शामिल है, इसकी पड़ताल शुरु कर दी गई है।

अमानक गेहूं पर खरीदी प्रभारियों को कड़ी चेतावनी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर गेहूं उपार्जन को सुचारू बनाने और किसानों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने हेतु जिला उपार्जन समिति ने ब्यावरा क्षेत्र के कई केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर व जिला आपूर्ति अधिकारी नीता कोरी, मप्र वेयरहाउसिंग के जिला प्रबंधक वासुदेव दंवडे, सुरेश संखेरे और सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक ने विभिन्न केंद्रों का दौरा कर व्यवस्था जांची। निरीक्षण में नमामि स्व सहायता समूह केंद्र पर सुबह 10 बजे तक खरीदी प्रभारी अनुपस्थित मिले, जबकि एच.एल. अग्रवाल वेयरहाउस पर 50 ट्रॉलियां रास्ते में खड़ी थीं। अधिकारियों ने प्रभारी को फोन पर बुलाकर तुरंत खरीदी शुरू कराई। निमसाडिया समिति के गोविंद वेयरहाउस निटाया केंद्र पर बारदाने की कमी की शिकायत पर सिविल सप्लाईज प्रबंधक ने पर्याप्त उपलब्धता के निर्देश दिए। श्री राधा स्व सहायता समूह के नवज्योति वेयरहाउस पर 100 से ज्यादा ट्रॉलियां सड़क पर लगीं तो टोकन सिस्टम से क्रमवार खरीदी के आदेश दिए। हम्मालों को जाम से निकालकर केंद्र पहुंचाया गया। चांदला के एच.एस.वी. वेयरहाउस (राधा स्व सहायता समूह कोदगांव) पर विजय यादव का गेहूं अमानक पाया गया। चालान 564263410017 (8 मई 2590 बोरियां, 1295 क्विंटल) और 564263410018 (9 मई 2277 बोरियां) को गोदाम सर्वेयर ने खारिज किया। अधिकारियों ने शासन मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

295 क्विंटल गेहूं का भुगतान अटका

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान किसानों की समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। कहीं स्लॉट बुकिंग नहीं हो पा रही है तो कहीं एफएक्यू प्रक्रिया में देरी के कारण भुगतान अटक रहा है। इसी बीच जाठोदा निवासी एक किसान का 295 क्विंटल गेहूं खरीदी केंद्र पर तौल होने के बाद भी भुगतान अटक गया है, जिससे किसान परिवार की शादी को लेकर चिंता में है।

जानकारी के अनुसार जाठोदा निवासी किसान लाखन सिंह राजपूत ने विदिशा कलेक्टर को आवेदन देकर समस्या के निराकरण की मांग की है। किसान ने बताया कि उसका स्लॉट 2 मई 2026 से 9 मई 2026 तक सेवा सहकारी समिति मर्यादित किरोदा, नटेरन केंद्र पर सुरक्षित था। किसान कोड 222270003068 के तहत उसने 2 मई को अपना गेहूं खरीदी केंद्र पर तौल कराया और तौल पर्ची भी प्राप्त कर ली। किसान का कहना है कि सर्वेयर द्वारा एफएक्यू प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण खरीदी की पर्ची जारी नहीं हो पा रही है। जबकि उसका करीब 295 क्विंटल गेहूं तौल के बाद वेयरहाउस में जमा करा दिया गया है। एफएक्यू लंबित होने से भुगतान भी अटक गया है। लाखन सिंह ने आवेदन में उल्लेख किया है कि उसके रिश्तेदार के यहां 12 मई को शादी है और ऐसे समय में भुगतान नहीं मिलने से परिवार आर्थिक परेशानी का सामना कर रहा है। किसान ने प्रशासन से मांग की है कि उसके स्लॉट पर गेहूं चढ़वाकर शीघ्र भुगतान कराया जाए, ताकि पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी हो सकें। इधर खरीदी केंद्रों पर तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं के चलते किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

राजोद सामाजिक सेवा संस्था द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजोद में राजोद सामाजिक सेवा संस्था द्वारा 6 दिवसीय एक्यूप्रेशर सुजोक एवं वाइब्रेशन प्राकृतिक थेरेपी चिकित्सा का विशाल स्वास्थ्य शिविर माहेश्वरी मांगलिक भवन में शनिवार 9 मई को शिविर का शुभारंभ किया गया।, 6 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का 14 मई गुरुवार को समापन होगा। संस्था के अध्यक्ष बाबू खान ने बताया की मानव जनकल्याण हेतु इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 6 दिवसीय रहेगा। शिविर जोधपुर की एक्यूप्रेशर थेरेपी ट्रेनिंग एवं ट्रीटमेंट संस्था के थैरेपिस्ट डॉक्टर नरेंद्र चौधरी मगराज सोलंकी, रमेश सुथार की टीम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कई लोगों ने शिविर में सहभागिता कर प्राकृतिक थेरेपी का लाभ लिया जा रहा है। इस अवसर पर बाबू खान,विशाल शर्मा, पत्रकार निलेश शर्मा आदि उपस्थित थे। आयोजन के समापन पर विधिवत विचार संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। जिसमें क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक

मेट्रो एंकर | महामाई मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा

जीवन में केवल राम नाम ही सत्य है: सुगनाबाईसा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश क्षत्रिय बघेल राजपूत समाज द्वारा महामाई मंदिर परिसर में आयोजित हो रहे 121 कुंडात्मक विशाल श्री विद्या महालक्ष्मी महायज्ञ के पावन अवसर पर आयोजित की जा रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस देश की प्रख्यात कथा वाचिका सुगना बाईसा द्वारा कथा वाचन के दौरान श्रीमद्भागवत को कल्पवृक्ष की उपाधि देते हुए कहा कि यह ग्रंथ अचल एवं अखंड सत्य का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि जीवन में केवल राम नाम ही सत्य है, शेष सब क्षणभंगुर एवं मायिक है।कथा में बताया गया कि जब हमारे मन में यह भाव उत्पन्न होता है कि भगवान हमें देख रहे हैं, तो इसका अर्थ है कि हम ईश्वर की उपस्थिति को स्वीकार करते हैं। हरि व्यापक सर्वत्र समाना, प्रेम से प्रकट होय भगवान अर्थात भगवान सर्वत्र विद्यमान हैं, परंतु वे प्रेम से ही प्रकट होते हैं। संतों ने कहा कि वास्तविक आनंद साधु-संतों के सान्निध्य में ही प्राप्त होता है। मनुष्य के जीवन में संगति का विशेष महत्व है–जैसी संगत, वैसी रंगत। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि चाहे जंगल में रहें या बस्ती में, जहां भी रहें प्रसन्नता के साथ रहें। संतों से यह सीख मिलती है कि हर परिस्थिति में खुश रहना चाहिए–क्योंकि मुस्कान से न केवल चेहरा, बल्कि पूरा जीवन सुंदर बन जाता है।

11 में को निकलेगी शोभायात्रा

इस अवसर पर बघेल समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मण सिंह बघेल जी ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 11 मई को सिरोंज नगर के प्रमुख मार्गों से बैंड-बाजों एवं वाहनों के साथ भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसका शुभारंभ महामाई माता मंदिर, सिरोंज से होगा। उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं एवं समाजजनों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को सफल बनाएं एवं धर्म लाभ प्राप्त करें।

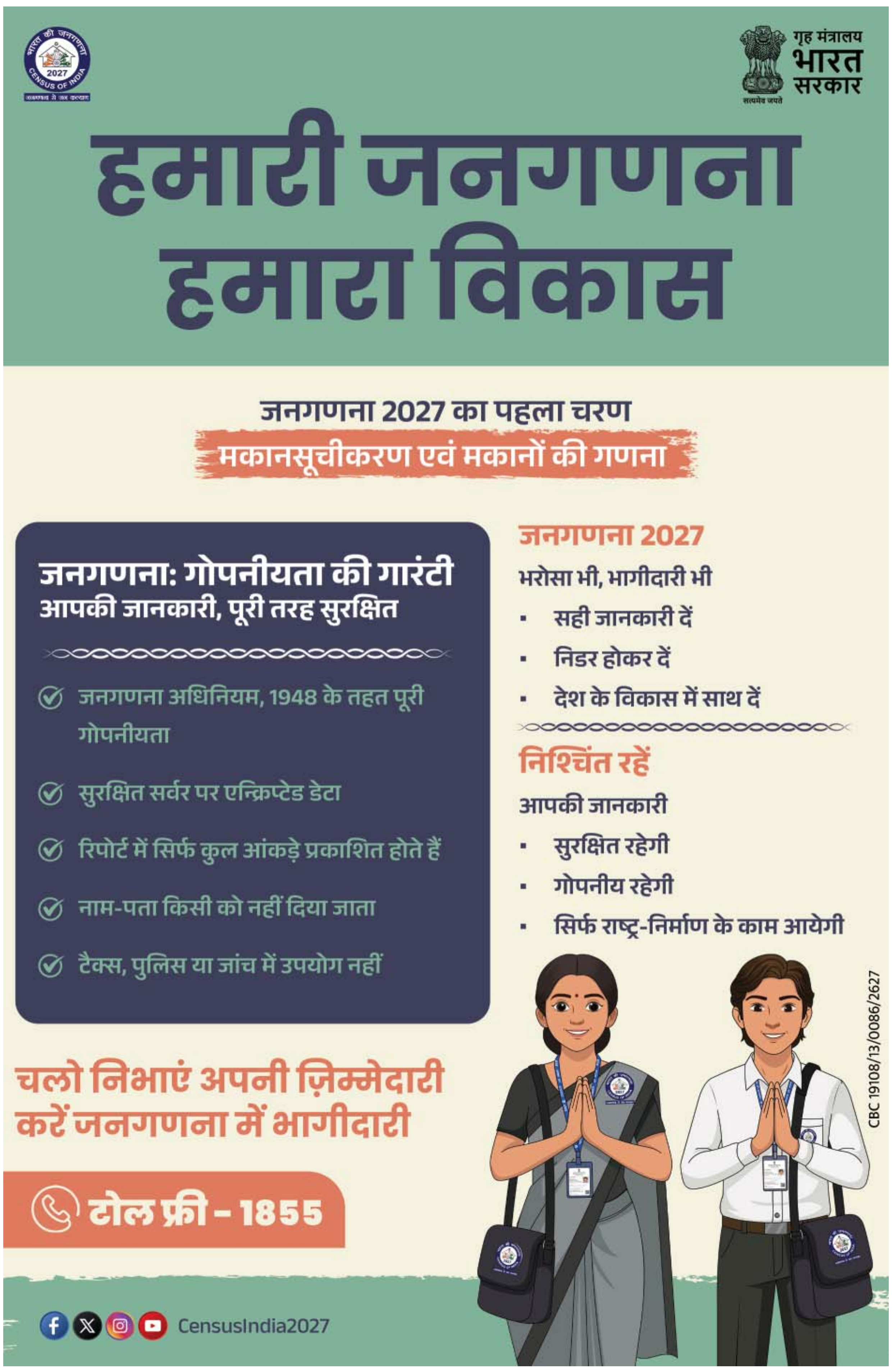

न्यूज विंडो

बटुरा ग्राम पंचायत में अवैध कोयला खनन का खेल जारी

बुढार। बटुरा ग्राम पंचायत में अवैध कोयला खनन का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में लगभग 127 से अधिक छोटे-छोटे अवैध गड्ढे संचालित हैं, जहां से प्रतिदिन भारी मात्रा में कोयला निकाला जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन समय-समय पर केवल औपचारिक कार्रवाई करता है। कुछ गड्ढों को बंद कर अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर दिया जाता है, जबकि बाकी अवैध खदानें खुलेआम संचालित होती रहती हैं। सूत्रों के मुताबिक इन अवैध गड्ढों से प्रतिदिन लगभग 250 से 300 टन तक कोयला निकाला जा रहा है। इस अवैध कारोबार से शासन को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं लगातार हो रहे खनन से क्षेत्र में पर्यावरणीय नुकसान और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। जिला खनिज अधिकारी राहुल सैंडल ने बताया कि पुलिस और एसईसीएल के साथ संयुक्त कार्रवाई करने की तैयारी है।

जिला कलेक्टर ने दयोदय पशु सेवा केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तेंदूखेड़ा। आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र में शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे जिला कलेक्टर श्री प्रताप नारायण सिंह यादव पहुंचे, जहां उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने गौवंश के रख-रखाव, चारा-पानी, साफ-सफाई एवं अन्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने गौशाला में संचालित व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित संचालकों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गौसेवा एक पुण्य कार्य है और इस प्रकार की व्यवस्थाएं समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। गौशाला प्रबंधन द्वारा कलेक्टर को पशु सेवा केंद्र में संचालित गतिविधियों एवं गौवंश की देखभाल संबंधी जानकारी दी गई। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष संजय कुमार जैन महामंत्री अमरचंद जैन कोषाध्यक्ष कुलदीप मोदी उपाध्यक्ष विवेक जैन संदीप मोदी राजकुमार जैन विकास पांडे के साथ गौशाला की समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कोतमा में सिंगल यूज प्लास्टिक का खुलेआम हो रहा परिवहन

कोतमा। कोतमा में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध होने के बावजूद कथित तौर पर उपकार ट्रांसपोर्ट द्वारा बड़े पैमाने पर प्लास्टिक पॉलिसी बाहर भेजे जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ट्रांसपोर्ट के माध्यम से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का परिवहन लगातार किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाया है। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण और परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कोतमा क्षेत्र में खुलेआम प्लास्टिक पॉलिसी का कारोबार और परिवहन जारी रहने से पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट के जरिए प्रतिदिन बड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री बाहर भेजी जा रही है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के अवैध परिवहन पर तत्काल रोक लगाई जाए।

नेशनल लोक अदालत: आपसी सहमति से पति-पत्नी को भेजा घर

तेंदूखेड़ा। न्यायालय परिसर में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन न्यायाधीश श्रीमती स्मृति सोनी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया गया। लोक अदालत में कुल 60 प्रकरणों निराकरण किया गया जिसमें 18 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया, वहीं 1 अपंजीकृत प्रकरण भी आपसी समझौते से सुलझाया गया। सुलह करता सदस्य अधिवक्ता आशीष नामदेव और अधिवक्ता रतनलाल साहू के द्वारा दुर्गा मेहरा पति शुभम मेहरा जो लगभग चार माह से अलग-अलग रह रहे थे आपसी समझौता करा कर दोनों को एक साथ उनके घर भेजो इसके अलावा ट्रैफिक चालान के 40 प्रकरणों में सुनवाई करते हुए जिसमें तेजगढ़ थाने के 29 केस में कुल 10100 रुपये की वसूली की गई। ओर तेंदूखेड़ा थाने के 11 केस में कुल 3300 रूपये की वसूली की जा रही है। इसी प्रकार नगर पालिका से संबंधित जलकर एवं संपत्ति कर समेकित कर के कुल 25 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिनमें कुल 23000 रुपये की राशि प्राप्त हुई। न्यायाधीश श्रीमती स्मृति सोनी ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का उद्देश्य लोगों को त्वरित, सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। लोक अदालत के माध्यम से मामलों का आपसी सहमति से निराकरण होने से समय और धन दोनों की बचत होती है तथा पक्षकारों के बीच सौहार्द भी बना रहता है। इस अवसर पर अधिवक्ता, आशीष नामदेव अर्पित जैन न्यायालय कर्मचारी आशुतोष पाठक अशोक कुमार दुबे तथा बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे।

उज्जैन के थाना नीलगंगा क्षेत्र के नोबल पॉली क्लीनिक का मामला

निजी क्लीनिक की लापरवाही से बच्ची की मौत, परिजनों ने किया चक्काजाम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

धार्मिक नगरी उज्जैन से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक निजी क्लीनिक की कथित लापरवाही के कारण 11 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना थाना नीलगंगा क्षेत्र के मंछामन कॉलोनी स्थित नोबल पॉली क्लीनिक की है। अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्लीनिक को सील कर दिया है। जानकारी के मुताबिक महिदपुर निवासी 11 वर्षीय दिव्या सूर्यवंशी का पिछले एक महीने से नोबल क्लीनिक में अपेंडिक्स का इलाज चल रहा था। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन के दौरान अचानक बच्ची की हालत बिगड़ गई। आरोप है कि स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल प्रबंधन ने आनन-फानन में बच्ची को एम्बुलेंस से दूसरे अस्पताल भेजा, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने बच्ची की मौत की जानकारी समय पर नहीं दी। जब उन्हें मौत की सूचना मिली तो परिवार और रिश्तेदारों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल के बाहर हंगामा किया और बाद में जिला चिकित्सालय के सामने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। इससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

मौके पर पहुंचा प्रशासन क्लीनिक किया सील

घटना की जानकारी मिलते ही सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन की कार्रवाई की भनक लगते ही क्लीनिक संचालक ताला लगाकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने नोबल क्लीनिक को तत्काल सील कर दिया। साथ ही क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

प्रबंधन पर मामला दर्ज

नीलगंगा थाना पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला गंभीर है और हर पहलू से जांच की जा रही है। यदि जांच में डॉक्टरों की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब पूरे मामले की जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर आगे बढ़ेगी। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन की तलाश जारी है, जबकि पीड़ित परिवार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहा है।

पूर्व भाजपा विधायक के भतीजे पर दुष्कर्म का केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

सरदारपुर के पूर्व भाजपा विधायक वेलसिंह भूरिया के भतीजे भूपेंद्र सिंह भूरिया पर युवती ने शादी का झांसा देकर शोषण और दुष्कर्म करने जैसे संगीन आरोप लगाए है, 14 मई को भूपेंद्र सिंह भूरिया की शादी होने वाली है, जैसे ही पीड़िता को इस शादी की खबर लगी वे राजगढ़ थाने पर पहुंची और भूपेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कराया। पीड़िता ने बताया कि साल 2020 में वह बीए सेकेंड ईयर की पढाई राजगढ़ के राजेंन्द्रसुरी कॉलेज में कर रही थी, उन दि?नों उसकी पहचान भूपेंन्द्र भुरिया पिता मोहनसिंह भूरिया निवासी नयापुरा भीलखेड़ी सरदारपुर से हुई थी। तब भूपेंद्र ने मैसेज कर दोस्ती के लिए कहा था और बातचीत करता था, कुछ दिन बाद उसने मैसेज कर शादी करने के लिए कहा तो मैने उसे इनकार कर दिया था, लेकिन फिर भी भूपेंद्र शादी करने के लिए बार-बार कह रहा था, जब मैने शादी के लिए हा कर दिया तो भूपेंद्र ने अपनी बातों में फंसाकर जब दोनों में प्रेमसंबंध हो गए तो भूपेंद्र ने अमझेरा में मिलने के बुलाया और वहां भी संबंध बनाएं।

राजगढ़ की संजय कॉलोनी में अंकल के कमरे में उनकी गैर मौजुदगी में भूपेंद्र आता जाता था और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता था, इस तरह करीब 6 सालों तक उसने मेरा शोषण किया। 2024 में भूपेंद्र ने दिपावली के बाद मुझसे सामाजिक रीतिरिवाज से सगाई कर ली थी। पिछले चार से पांच सालों में भूपेंद्र ने मुझसे कई बार संबंध बनाए, पिछले करीब एक साल से उसने मुझसे मिलने से आनाकानी करने लगा। जब भी भूपेंद्र को शादी के लिए कहती वो टाल देता था। साल की शुरुआत में जनवरी माह से भूपेंद्र मुझसे शादी करने के लिये मना कर रहा है और मुझे बोलता है कि अगर तु थाने पर गयी या कहीं मेरे बारे में बताया तो मै तुझे भी मार दुंगा और खुद भी मर जाउंगा कहकर मुझे धमकाता है।

शादी का कार्ड देख थाने पहुंची

जब मेरे परिजन ने भूपेंद्र से शादी करने की बात कही तो उसने उन्हें शादी करने से इंकार कर दिया, एफआईआर आज से तीन दिन पहले मुझे पता चला की भुपेन्द्र की शादी झकनावदा में तय हो गयी है और 10 मई को भुपेन्द्र की शादी है और उसकी शादी की पत्रिका भी छप गयी है। भुपेन्द्र ने मुझे शादी का झांसा देकर मेरे साथ कई बार शारीरिक शोषण किया है मेरे साथ दुष्कर्म किया है और मेरे साथ कई बार शारीरिक संबध बनाये है मुझे भरोसा दिलाकर मेरा उपयोग किया है मेरी इज्जत ख़राब कर दी है। इस पूरे मामले में अब तक आरोपी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक सफाई नहीं आई है। भूपेंद्र सिंह भूरिया से संपर्क करने की कोशिश की गई और उन्हें कई बार कॉल किए गए, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। राजगढ पुलिस थाने में युवती की शिकायत पर दुष?कर्म सहित अन?य धाराओं में भूपेंद्र सिंह भूरिया पर अपराध दर्ज किया गया है।

किसानों से तय मात्रा से अधिक गेहूं लेने के आरोप

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के विभिन्न गेहूं खरीदी केंद्रों में किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने पहुंचे किसानों ने आरोप लगाया है कि खरीदी केंद्रों पर न तो पीने के पानी की समुचित व्यवस्था है और न ही रुकने-बैठने की कोई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। तेज गर्मी में किसान घंटों अपनी उपज लेकर केंद्रों के बाहर इंतजार करने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा तय मात्रा से अधिक गेहूं लिया जा रहा है। कई किसानों ने आरोप लगाया कि तौल के नाम पर अतिरिक्त बोरी या वजन काटा जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसानों ने बताया कि सुबह से शाम तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। केंद्रों पर छाया, पानी और शौचालय जैसी व्यवस्थाओं का अभाव बना हुआ है। इससे बुजुर्ग किसानों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

पुलिस ने किया खुलासा

जमीन विवाद को लेकर बच्चे का अपहरण कर की हत्या

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी में 3 साल के मासूम अनिरुद्ध की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। बच्चे की बड़ी मां ने ही जमीन विवाद की रंजिश में उसका अपहरण कर गला दबाकर हत्या कर दी इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए सिर पर पत्थर पटककर शव अंधेरे में घर से करीब 50 मीटर दूर गोबर भूसे के ढेर में फेंक दिया। मामला तेजगढ़ क्षेत्र के महुआखेड़ा गांव का है दमोह एसपी आनंद कलादगी ने बताया कि मृतक अनिरुद्ध के पिता माखन सिंह और उनके भाई भगवान सिंह लोधी के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

इसी रंजिश में भगवान सिंह की पत्नी राजकुमारी लोधी ने शुक्रवार सुबह बच्चे को अपने पास बुलाकर गायब कर दिया था पुलिस को शुरुआत से ही बच्चे के बड़े पिता भगवान सिंह और बड़ी मां राजकुमारी लोधी पर शक था। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सख्ती से पूछताछ करने पर राजकुमारी लोधी टूट गई और हत्या करना कबूल कर लिया। दमोह पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने बताया कि फिलहाल आरोपी महिला को हिरासत में लिया गया है। वहीं बड़े पिता भगवान सिंह से भी पूछताछ जारी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

नगर में शव विच्छेदन गृह से फैल रही दुर्गंध से रहवासी परेशान, हटाने की उठ रही मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 में स्थित पुराने शव विच्छेदन गृह चीलघर से फैल रही दुर्गंध के कारण स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को जंगल में मिली एक लाश के पोस्टमार्टम के बाद से क्षेत्र में लगातार बदबू फैल रही है, जिससे आसपास के लोगों का जीना दूभर हो गया है। रहवासियों का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में रात के समय घरों के बाहर सोना तो दूर, घरों के भीतर भी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जहां पुराना विच्छेदन गृह बना हुआ है, वह क्षेत्र अब पूरी तरह से रहवासी क्षेत्र में परिवर्तित हो चुका है। इसी समस्या को देखते हुए नगर के वार्ड क्रमांक 9 में नया शव विच्छेदन गृह बनाया गया था, लेकिन निर्माण के समय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी ने यह ध्यान नहीं दिया कि उसके ठीक समीप छोटे-छोटे बच्चों का आदिवासी छात्रावास संचालित है। छात्रावास में रहने वाले बच्चों के स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए छात्रावास अधीक्षक एवं कर्मचारियों ने तत्कालीन एसडीएम को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निरीक्षण के दौरान भी छात्रावास के बच्चों एवं अभिभावकों ने उन्हें इस समस्या से अवगत कराया था। उस समय कलेक्टर ने भी स्वीकार किया था कि विच्छेदन गृह का निर्माण उस स्थान पर गलत हुआ है। हालांकि इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। स्थानीय नागरिकों एवं कांग्रेस नेताओं द्वारा लगातार विरोध किए जाने के कारण नया विच्छेदन गृह भी शुरू नहीं हो सका। परिणामस्वरूप वर्तमान में पुराने शव विच्छेदन गृह का उपयोग जारी है, जिससे वार्ड क्रमांक 8 एवं 9 के रहवासी गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि शवों से उठने वाली दुर्गंध के कारण बच्चे और महिलाएं भयभीत हैं।

मेट्रो एंकर — आरटीओ ने विशेष चेकिंग अभियान: ओवरलोडिंग और बिना परमिट दौड़ने वाले वाहनों के बनाए चालान

9 दिनों में 50 वाहनों पर लगाया लाखों रुपए का जुर्माना

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन हेतु परिवहन विभाग द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया। दिनांक 1 मई से 9 मई तक चले इस सघन चेकिंग अभियान में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं उनकी टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों पर सख्त कार्यवाही की है।

अभियान के दौरान जिले के विभिन्न मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जाँच में पाया गया कि कई वाहन स्वामी बिना वैध परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र और पीयूसी के धड़ल्ले से वाहनों का संचालन कर रहे थे। टीम ने ऐसे 50 वाहनों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की, जिससे कुल 1 लाख 67 हजार 500 रुपयों का राजस्व जुर्माने के रूप में वसूला गया। अभियान के अंतिम दिन टीम ने एक पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 11 जी 3587 को रोका, जिसमें क्षमता से कहीं अधिक 40 से ज्यादा यात्री सवार थे। जोखिमपूर्ण तरीके से यात्रियों को ले जाने पर विभाग ने तत्काल 18 हजार का भारी जुर्माना लगाया। कार्यवाही के दौरान वाहन चालक द्वारा टीम के साथ विवाद और बहस भी की गई।

आईपीएल 2026: इन 4 खिलाड़ियों को भी नहीं मिला है मौका

ना मौका, ना भरोसा! पूरा आईपीएल सीजन पानी पिलाते रह गए पृथ्वी शॉ

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन में जहां कई युवा खिलाड़ियों ने गेंद या बल्ले से चमक बिखेरी है, वहीं कुछ नाम ऐसे भी रहे जो सिर्फ डगआउट में ही बैठे नजर आए हैं। इन खिलाड़ियों को लेकर फैन्स को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन प्लेइंग-11 में अब तक इनको मौका नहीं मिला है।

इन 5 खिलाड़ियों में सबसे बड़ा नाम पृथ्वी शॉ का है। कभी भारतीय क्रिकेट का भविष्य माने जाने वाले पृथ्वी शॉ को इस सीजन एक भी मैच में मौका नहीं मिला है। पृथ्वी शॉ ने अपना आखिरी आईपीएल मैच 2024 में खेला था और 2025 में उनको किसी भी आईपीएल टीम नें नहीं खरीदा था। पृथ्वी को आईपीएल 2026 के लिए आयोजित मिनी ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 75 लाख में दोबारा अपनी टीम में शामिल किया। शुरुआती राउंड्स में अनसोल्ड रहने के बाद छ्रष्ट ने उन्हें उनके बेस प्राइस पर खरीदा। यह उनकी पिछली आईपीएल सैलरी 7।5 करोड़ (2024) के मुकाबले काफी बड़ी गिरावट है।

वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी पूरे सीजन बेंच पर ही बैठे नजर आए। युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता मिलने की वजह से ईशांत शर्मा को अब तक एक भी मैच में मौका नहीं मिला है। आईपीएल 2026 सीजन के लिए गुजरात टाइटन्स ने ईशांत शर्मा को ?75 लाख में रिटेन किया था। आईपीएल 2025 सीजन में ईशांत शर्मा ने 7 मैचों में सिर्फ 4 विकेट लिए, जबकि उनकी इकोनॉमी रेट 11।18 रही। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 1/18 रहा था।

अब नजर डालते हैं 5 खिलाड़ियों के आईपीएल रिकॉर्ड्स पर...

पृथ्वी शॉ
आईपीएल मैच: 79
कुल रन: 1892
औसत: 23.94
स्ट्राइक रेट: 147.46
अर्धशतक: 14
शतक: 0

राहुल त्रिपाठी
आईपीएल मैच: 100
कुल रन: 2291
औसत: 26.33
स्ट्राइक रेट: 137.84
अर्धशतक: 12
शतक: 0

ईशांत शर्मा
आईपीएल मैच: 117
विकेट: 96
इकोनॉमी रेट: 8.36
बेस्ट बॉलिंग: 5/12

मुशीर खान
आईपीएल मैच: 1
रन: 0
विकेट-1
इकोनॉमी रेट: 13.50
बेस्ट बॉलिंग: 1/27

अर्जुन तेंदुलकर
आईपीएल मैच: 5
कुल रन: 13
विकेट: 3
इकोनॉमी रेट: 9.36
बेस्ट बॉलिंग: 1/9

दूसरी तरफ घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी मुशीर खान को भीआईपीएल 2026 में मौके का इंतजार ही करना पड़ रहा है। ऑलराउंडर मुशीर खान क्रिकेटर सरफराज खान के भाई हैं। मुशीर खान को आईपीएल 2026 सीजन के लिए पंजाब किंग्स ने ?30 लाख रुपये में रिटेन किया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और दबाव में बेहतरीन पारियां खेलने के लिए मशहूर मुशीर अभी अपने आईपीएल करियर की शुरुआती दौर में हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में सिर्फ एक मुकाबला खेला, जिसमें वह बल्लेबाजी में खाता नहीं खोल सके, जबकि गेंदबाजी में 1 विकेट लेते हुए 27 रन खर्च किए।

अर्जुन तेंदुलकर इस सीजन सुर्खियों में तो रहे, लेकिन मैदान पर अब तक उनको मौका नहीं मिला है। सचिन तेंदुलकर के बेटे होने की वजह से हमेशा चर्चा में रहने वाले अर्जुन को लखनऊ सुपर जायंट्स ने प्लेइंग-11 में अब तक शामिल नहीं किया है। अर्जुन को आईपीएल 2026 सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने ?30 लाख में अपनी टीम में शामिल किया

लगातार 4 जीत से केकेआर ने मचा दिया तहलका

अजिंक्य रहाणे के पलटवार से प्ले ऑफ की उम्मीदें हुई जिंदा

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार मुकाबले जीत लिए हैं। एक समय ऐसा लग रहा था कि कोलकाता नाइट राइडर्स का सीजन खत्म होने की कगार पर पहुंच चुका है। टीम जीत के लिए तरस रही थी, अंक तालिका में नीचे फंसी हुई थी और प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म मानी जा रही थीं। लेकिन अब अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने ऐसा पलटवार किया है कि अब प्लेऑफ का सपना फिर से जिंदा हो गया है।

शुक्रवार (8 मई) रात कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सिर्फ 14।2 ओवर्स में 143 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। यानी मैच 34 गेंद बाकी रहते खत्म हो गया।

इस जीत ने कोलकाता नाइट राइडर्स के ड्रेसिंग रूम का माहौल पूरी तरह बदल दिया है। लगातार चार जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स अब 10 मैचों में 9 अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गई है। टीम फिलहाल चेन्नई सुपर किंग्स से सिर्फ 1 अंक पीछे है और प्लेऑफ की रेस में मजबूती से वापस आ चुकी है।

प्लेऑफ में ऐसे पहुंचेगी केकेआर?

आईपीएल के पिछले सीजनों का रिकॉर्ड देखें तो 16 या उससे ज्यादा अंक आमतौर पर प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के अभी 9 अंक हैं और टीम के 4 मुकाबले बाकी हैं। अगर कोलकाता नाइट राइडर्स अपने अगले चारों मैच जीत लेती है, तो उसके 17 अंक हो जाएंगे और टीम बिना नेट रनरेट की चिंता किए सीधे प्लेऑफ में पहुंच सकती है। हालांकि एक हार भी टीम को मुश्किल में डाल सकती है, क्योंकि फिर नेट रनरेट का खेल शुरू हो जाएगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती अब उनका शेड्यूल है। टीम के अगले मुकाबले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , गुजरात टाइटन्स, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हैं। इनमें आरसीबी और गुजरात टाइटंस पॉइंट्स टेबल में कोलकाता नाइट राइडर्स से ऊपर हैं, जबकि मुंबई इंडियंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है।

कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को भेजा कारण बताओ नोटिस, 14 दिनों के अंदर देना होगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहलवान विनेश फोगाट को करार बताओ नोटिस भेजा है। डब्ल्यूएफआई ने अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा है। इतना ही नहीं विनेश जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंट में भाग्य लेने के लिए अयोग्य घोषित की गई हैं क्योंकि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू के डोपिंग रोधी नियम के तहत संन्यास से वापसी के बाद जरूरी छह महीने का नोटिस पीरियड नहीं दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया था कि यदि विनेश दोबारा कुश्ती में वापसी करना चाहती हैं, तो उन्हें आईटीए या इंटरनेशनल फेडरेशन को कम से कम छह महीने पहले सूचना देनी होगी और इस दौरान एंटी-डोपिंग टेस्टिंग के लिए उपलब्ध रहना होगा। वाडा नियम 5.6.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक टेस्टिंग सिस्टम से बाहर रहने के बाद सीधे प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकता। ऐसा करने पर उसके परिणाम अमान्य घोषित किए जा सकते हैं।

विनेश की वापसी की योजना को लगा झटका

डब्ल्यूएफआई ने विशेष रूप से उल्लेख किया है कि विनेश इस वर्ष 26 जून तक किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं हैं, जिसमें गोंडा में 10 से 12 मई तक होने वाला राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट भी शामिल है, जिसे उनका वापसी टूर्नामेंट माना जा रहा था। विनेश को भेजे गए नोटिस में लिखा गया, महासंघ को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपने डोपिंग-विरोधी नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया है, जिसके कारण आप आगामी किसी भी प्रतियोगिता में महासंघ का प्रतिनिधित्व करने के लिए अयोग्य हो जाएं।

79वें नंबर के डारियो प्रिजमिक से हारकर बाहर हुए नोवाक जोकोविच!

इटैलियन ओपन में बड़ा उलटफेर

रोम, एजेंसी

छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। प्रिजमिक ने जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविच इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है। जोकोविच ने पहला सेट सिर्फ 40 मिनट में जीता था। जोकोविच का लेवल दूसरे सेट में गिर गया। उनके शॉट्स की गहराई कम हो गई। उनकी सटीकता फीकी पड़ गई। चेहरे पर गुस्सा और साफ दिख रही निराशा के बीच, उन्होंने जल्द ही खुद को निडर प्रिजमिक के खिलाफ 4-0 से पीछे पाया।

जोकोविच एक बार भी नहीं बना पाए मौका

जोकोविच शुरू में निर्णायक सेट में मुकाबला करते रहे—जब तक कि वह पहले असली खतरे पर लड़खड़ा नहीं गए, और पहले ही ब्रेक पॉइंट पर अपनी सर्विस गंवा दी। उस पॉइंट के बाद, जोकोविच एक भी ब्रेक का मौका नहीं बना पाए। उन्होंने बार-बार प्रिजमिक पर गलतियां करने का दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन क्रोएशियाई खिलाड़ी डटा रहा और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में, जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के लिए जैनिक सिनर को हराया था और उम्मीद करेंगे कि इस महीने के आखिर में रोलैंड गैरोस के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

इंडिया छोड़ बैंकॉक में बसी बालिका वधु एक्ट्रेस,

पति के लिए देंगी करियर की कुर्बानी?

कलर्स

टीवी का सबसे पॉपुलर चेहरा एक्ट्रेस अविका गौर अब इंडिया से बाहर शिफ्ट हो गई हैं। बालिका वधु की आनंदी से घर-घर में मशहूर हुईं अविका, अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ विदेश में जिंदगी का नया सफर शुरू करने वाली हैं। एक्ट्रेस वहां अपने सपनों का आशियाना डिजाइन कर रही हैं। अविका ने ॥ञ्च को दिए इंटरव्यू में बैंकॉक शिफ्ट होने के पीछे की वजह बताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि ये फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया था। उन्होंने कहा- मैं और मिलिंद बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं, हमने वहां एक घर खरीदा है जिसे मैं अपने मुताबिक डिजाइन करूंगी। मिलिंद और मैंने महसूस किया कि वहां उसके काम के लिए ये बेहतर मौका है।

और सच कहूं तो मुझे भी ये बहुत अच्छा और एक्साइटिंग लगा। मुझे वहां हमेशा छुट्टी पर होने जैसा लगता था, तो फिर क्यों नहीं जाना चाहिए? हम दोनों ने हमेशा एक-दूसरे की तरक्की में साथ देने पर यकीन रखा है। ये बात तब भी थी जब हम सात साल तक डेट कर रहे थे। अगर मुझे कोई प्रोजेक्ट मिले जो मुझे कई महीनों के लिए दूर ले जाए, तो वो मुझे पूरा सपोर्ट करता है। ठीक उसी तरह, मुझे भी नहीं

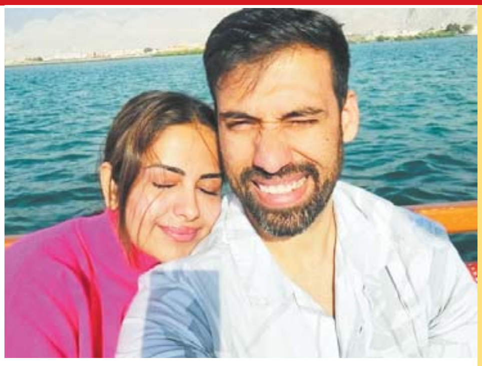

लगता कि मुझे उसकी तरक्की रोकनी चाहिए।%

शिफ्टिंग के कारण छोड़ेंगी एक्टिंग?- अविका गौर आगे इसपर भी सफाई दी कि क्या वो अब बैंकॉक जाकर हमेशा के लिए एक्टिंग छोड़ने वाली हैं या नहीं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं वहां अभी सिर्फ एक महीने से हूं। काम की वजह से ज्यादातर समय हैदराबाद या मुंबई में ही रहता हूं। मेरी जिम्मेदारियां हमेशा मेरी पहली प्रायोरिटी रहेंगी, क्योंकि इन्हीं चीजों ने मुझे आज जो बनाया है।

इंडस्ट्री के लोग बहुत सपोर्टिव थे

जो भी काम मेरे पास आता है, वो मेरे अपने शेड्यूल के हिसाब से ही होता है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि ये कभी भी मेरे लिए प्रॉब्लम बनेगी। आखिरकार, जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे मेरे लिए पूरा जोर लगाना चाहिए। बेहतर तो यही है कि वो पूरी मेहनत करे। जब मैंने अपनी मूव करने की बात बताई, तो इंडस्ट्री के लोग बहुत सपोर्टिव थे।% बात करें अविका गौर की, तो उनकी शादी मिलिंग चंदवानी से सितंबर 2025 में हुई थी। दोनों ने पति पत्नी और पंगा शो पर सात-फेरे लिए थे।

एक्स वाइफ सीमा संग सोहेल का हुआ रीयूनियन, पार्टी में दिखे साथ

सुपरस्टार सलमान खान के छोटे भाई सोहेल ने साल 1998 में फैशन डिजाइनर सीमा सजदेह से शादी रचाई थी। दोनों की तब लव-मैरेज हुई थी। लेकिर फिर सालों तक साथ रहने के बाद, दोनों के रास्ते अलग हो गए। सोहेल और सीमा ने साल 2022 में तलाक लिया। हालांकि वो एक साथ मिलकर अपने दोनों बच्चों- बेटे निर्वान और योहान की परवरिश करते हैं। सोहेल और सीमा अक्सर वेकेशन पर भी अपने बच्चों के साथ दिखते हैं। ये फैसला उन्होंने अपने बच्चों की खातिर लिया है। तलाक के बाद जहां सोहेल अभी सिंगल हैं, वहीं सीमा इस समय विक्रम आहूजा को डेट कर रही हैं। लेकिन सोहेल और सीमा के रिश्ते खराब नहीं हुए हैं। बीते दिन 8 मई को वो एक पार्टी में साथ दिखे। सोहेल खान अपने भाई अरबाज संग बिजनेसवुमन-एक्टिविस्ट उषा ककाड़े के पोते के नाम करण की पार्टी में पहुंचे थे। वहां संजय कपूर अपनी पत्नी महीप संग पहुंचे थे। पार्टी में सीमा भी थीं, जो सोहेल के साथ नजर आईं। सभी ने पैप्स से मुलाकात की और एक साथ आकर ग्रुप फोटो भी लिया। इस दौरान सोहेल और सीमा साथ खड़े हुए। पार्टी के कई और वीडियोज भी मौजूद हैं, जहां सोहेल और सीमा साथ ही दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में सोहेल सीमा से विदा लेते हुए उन्हें गले लगाते हैं। दोनों के

इन मोमेंट्स को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स खुश दिखे। एक यूजर ने उनके रीयूनियन पर लिखा है कि कुछ वादे कभी भुलाए नहीं जाते। वहीं कुछ ने उनकी जोड़ी को खूबसूरत बताया है। सोहेल और सीमा सजदेह की लव स्टोरी काफी फिल्मी है। उन्होंने 1998 में भागकर शादी की थी। सीमा का परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ था, इसलिए दोनों ने आधी रात को साथ भागने का फैसला किया। इस बीच उनके दो बच्चे हुए। लेकिन वक्त के साथ उनके रिश्ते में दरार पैदा होने लगी। एक इंटरव्यू में सीमा ने खुद बताया था कि सोहेल संग उनकी शादी एक समय के बाद काफी मुश्किलों का सामना कर रही थी।

जलवायु परिवर्तन-अनुकूल खेती को बढ़ावा, टिकाऊ कृषि और मिट्टी की सेहत सुधारने पर जोर : सरकार

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम तेज कर दिया है। सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, वर्ष 2014-15 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) के तहत अब तक वर्षा-आधारित कृषि विकास (आरएडी) कार्यक्रम के लिए 2,119.84 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। इससे 8.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है और करीब 14.35 लाख किसानों को लाभ मिला है। सरकार ने बताया कि देश में जल संरक्षण और खेती में पानी के बेहतर इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 से अब तक करीब 109 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया गया है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने 26,325 करोड़ रुपए की सहायता जारी की है। सरकार ने 2025-26 से 2029-30 के बीच अगले पांच वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को माइक्रो इरिगेशन के तहत लाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए %पर ड्रॉप मोर क्रॉप(पीडीएमसी)% योजना के तहत हर साल कम से कम 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने की योजना बनाई गई है। मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार सॉइल हेल्थ कार्ड योजना पर भी विशेष ध्यान दे रही है।

2.57 लाख करोड़ के टैक्स बकाया की वसूली के लिए सीबीडीटी चलाएगा बड़ा अभियान

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) चालू वित्त वर्ष में 2.57 लाख करोड़ रुपए के पुष्टि किए गए टैक्स बकाये की वसूली के लिए प्रयास तेज करने जा रहा है। इस अभियान के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में देश भर के 10,000 सबसे बड़े टैक्स बकाया मामलों की निगरानी के लिए विशेष टीमें बनाई जाएंगी। टैक्स विभाग के अधिकारियों ने एनडीटीवी प्रॉफिट को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, टैक्स वसूली और अनुपालन निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल फॉरेंसिक जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। सीबीडीटी अधिकारियों ने बताया कि टैक्स वसूली टीमें डिफॉल्टरों से जुड़ी संपत्तियों और गिरवी रखी गई परिसंपत्तियों का पता लगाने के लिए सीईआरएसएआई के मॉर्गेज और एसेट डेटाबेस का भी उपयोग कर सकती हैं।टैक्स विभाग बड़े एडवांस टैक्स देने वालों पर भी नजर रखेगा और टैक्स छूट तथा कटौतियों के गलत इस्तेमाल की पहचान करेगा। वित्त वर्ष 2025-26 में सीबीडीटी ने 2.24 लाख अपीलों का निपटारा किया, जिनमें 8.27 लाख करोड़ रुपए की विवादित टैक्स मांग शामिल थी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार, लंबित अपीलों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 5.40 लाख से घटकर 4.95 लाख रह गई। साथ ही अधिकारियों को गैर-अनुपालन करने वाले टैक्सदाताओं से वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। बजट 2026 के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य 26.97 लाख करोड़ रुपए रखा गया है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर मामूली बढ़ा, लेकिन सरकार के संशोधित अनुमान से कम रहा। इसकी वजह बदलते आर्थिक हालात बताए गए हैं।

यादगार बन गई दसवीं सालगिरह के समारोह की शाम

एक नजर...

जिनका सम्मान कर सम्मानित हुआ दोपहर मेट्रो.. अतिथियों के साथ सम्मानित विभूतियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो अखबार की 10वीं सालगिरह का समारोह अनेक विभूतियों के सम्मान के साथ यादगार बन गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सम्मान के लिए जिनका चयन किया गया है, उन्हें सम्मानित कर पूरा मंच गौरवांवित महसूस कर रहा है। इसके लिए उन्होंने चयनकर्ताओं की टीम को धन्यवाद दिया।

कैमरे की नजर से समारोह की झलकियां

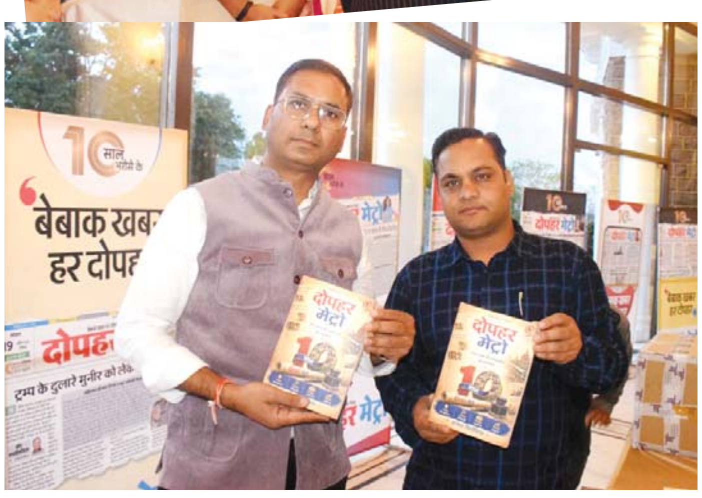

मेट्रो एंकर

तमिलनाडु के नए 'थलापति' विजय की पूरी कहानी

पहली फिल्म में उड़ाया गया मजाक, अब बने जननायक

चेन्नई, एजेंसी

'जैसा फिल्मों में होता है, हो रहा है हूबहू...', आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' का यह गाना आज तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय थलापति पर सटीक बैठता है। उनकी जिंदगी किसी फिल्म की कहानी से कम रोचक नहीं है। बड़े पर्दे पर कई बार राजनेता बनकर आम लोगों का जीवन बदलने वाले विजय अब असल जिंदगी में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री गए हैं। विजय के फिल्मी करियर, निजी जीवन और राजनीतिक सफर से जुड़ी कुछ सुनी-अनसुनी बातें।

विजय को पिता ने दिखाई सिनेमा की राह : विजय की तमिल फिल्में आम दक्षिण भारतीय फिल्मों जैसी नहीं होती हैं, इनमें नजर आने वाली कहानियां अलग और आम लोगों से जुड़ी रहती हैं। ऐसी फिल्मी बनाने की प्रेरणा कहीं ना कहीं विजय को अपने पिता से मिली है। उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर निर्देशक हैं। वहीं मां शोभा चंद्रशेखर प्लेबैक सिंगर हैं। माता-पिता का सिनेमा और संगीत से गहरा नाता है। विजय भी अभिनय करने के अलावा गायिकी का भी शौक रखते हैं।

बाल कलाकार के तौर पर बनाई पहचान : 22 जून

1974 को जन्मे विजय का असली नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरुआत की थी। विजय ने 1984 में पी.एस. वीरप्पा द्वारा निर्मित फिल्म 'वेट्री' से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर तमिल सिनेमा में कदम रखा। इसके बाद वह 'कुडुम्बम' (1984), 'नान सिगप्पू मणिथन' (1985), 'वसंत रागम' (1986), 'सत्तम ओरु विलायाट्टू' (1987) और 'इधु एंगळ नीति' (1988) जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर नजर आए। इन सभी फिल्मों का डायेक्शन उनके पिता ने किया था।

8 साल में बने हीरो लेकिन लुक को लेकर झेली आलोचना

विजय बाल कलाकार के तौर पर अभिनय करते-करते एक मंझे हुए कलाकार बन चुके थे। 18 साल के होते हुए उन्होंने हीरो के तौर पर शुरुआत करने की सोची। विजय ने 1992 में फिल्म 'नालया थीरपू' में पहली बार लीड रोल किया। मगर किस्मत ने साथ नहीं दिया, उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई। साथ ही विजय को उनके लुक के लिए भी काफी आलोचना झेलनी पड़ी। ऐसे में विजय के पिता ने अभिनेता विजयकांत के साथ विजय को लेकर एक फिल्म बनाई 'सेंथूरपांडी (1993)'। यह फिल्म हिट हुई और विजय की एक्टिंग की गाड़ी तमिल सिनेमा में चल पड़ी।

कई फिल्मों ने लिखी सफलता की कहानी: अपने अब तक के करियर में विजय 69 फिल्में कर चुके हैं। राजनीतिक सफर शुरू करने से पहले उन्होंने एक फिल्म 'जन नायकन' की, जो अभिनेता की आखिरी फिल्म कही जा रही है। विजय थलापति ने 'थेरी, 'राजविन परवैयिले', 'मिन्सरा कन्ना', 'बीस्ट', 'शाहजहां' जैसी हिट फिल्में की हैं। साल 2023 में उनकी फिल्म 'लियो' ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। इसके अलावा 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में भी उनके अभिनय को सराहा था। विजय की लगभग हर फिल्म बॉक्स ऑफिस हिट होती है। उनकी सफतला का ग्राफ शायद की कभी नीचे गया हो, यही वजह है कि वह एक फिल्म के 250 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। वह सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता हैं।

ऐसे बने विजय से थलापति : विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय है, लेकिन फैंस और अधिकतर जनता विजय थलापति के नाम से उन्हें जानती है। साउथ में अपने पसंदीदा एक्टर्स को उपनाम देने का ट्रेंड है। जैसे रजनीकांत को थलाइवा यानी बॉस, कमल हासन को उलनायगन यानी यूनिवर्सल हीरो। ऐसे ही विजय को थलापति की उपाधि दी गई है।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा की गुरुग्राम कोर्ट में पेशी

चंडीगढ़। गुरुग्राम सत्र न्यायालय ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को 7 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

देर रात ईडी ने उन्हें अदालत में पेश करते हुए 10 दिन की रिमांड मांगी थी। अरोड़ा को शनिवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रहे एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले सुबह सेक्टर दो में अरोड़ा के आवास पर सुबह करीब 20 गाड़ियों में टीम पहुंची है। मंत्री संजीव अरोड़ा पर महीने भर में ईडी की दूसरी कार्रवाई है। इससे पहले उनके लुधियाना के ठिकानों पर दबिश हुई थी। सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कुछ कंपनियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया है। इनमें 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिए किए गए फर्जी निर्यात शामिल हैं। एजेंसी को शक है कि फेमा नियमों का उल्लंघन करते हुए विदेशी संस्थाओं के ज़रिए पैसों की 'राउंड-ट्रिपिंग' की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564